RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, बुधवार ●10 अप्रैल , 2024 वर्षः-11 अंक-342 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

संक्षिप्त समाचार

दि्तीय

ब्रह्मचारिणी

नव दुर्गा के दूसरे रूप का नाम है मां ब्रह्मचारिणी। ब्रह्मचारिणी का अर्थ है वह जो असीम, अनन्त में विद्यमान, गतिमान है। एक ऊर्जा जो न तो जड़ न ही निष्क्रिय है, किन्तु वह जो अनन्त में विचरण करती है। यह बात समझना अति महत्वपूर्ण है – एक गतिमान होना, दूसरा विद्यमान होना।

एनसीईआरटी की नकली किताबें बेचना पड़ेगा भारी!

● पकड़े जाने पर होगी कानूनी कार्रवाई, जारी की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने नकली स्कूली पाठ्यपुस्तकों को लेकर सोमवार को चेतावनी जारी कर कहा कि इनमें तथ्यात्मक रूप से गलत सामग्री होने की आशंका है। एनसीईआरटी ने अपनी पाठ्यपुस्तकों की अनधिकृत छपाई और उनकी व्यावसायिक बिक्री के प्रति लोगों को आगाह किया और उसकी शैक्षिक सामग्रियों के कॉपीराइट के उल्लंघन को लेकर कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी। परिषद के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, कुछ प्रकाशक एनसीईआरटी से अनुमति प्राप्त किए बिना इसकी वेबसाइट पर उपलब्ध एनसीईआरटी की स्कूली पाठ्यपुस्तकों को अपने नाम से छाप रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर कोई व्यक्ति व्यावसायिक बिक्री के लिए एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों को पूर्ण या आंशिक रूप से प्रकाशित करता हुआ या कॉपीराइट अनुमति प्राप्त किए बिना अपने प्रकाशनों में एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तक की सामग्री का उपयोग करता हुआ पाया जाता है तो उसे कॉपीराइट अधिनियम 1957 के तहत कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। अधिकारी ने कहा, आम जनता से अनुरोध है कि कृपया ऐसी पाठ्यपुस्तकों या वर्कबुक से दूर रहें क्योंकि उनकी सामग्री तथ्यात्मक रूप से गलत हो सकती है और साथ ही एनसीएफ (स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा) 2023 के मूल दृष्टिकोण के खिलाफ भी हो सकती है। उन्होंने कहा, हम लोगों से आग्रह करते हैं कि अगर उन्हें ऐसी नकली पाठ्यपुस्तकों या वर्कबुक का पता चलता है तो वे इसकी सूचना तुरंत परिषद को दें।

रामनवमी पर होगा रामलला का सूर्य तिलक

● तीसरी मंजिल पर लगाए उपकरणों का ट्रायल पूरा ● 100 एलईडी स्क्रीन से अयोध्या में होगा प्रसारण

अयोध्या (एजेंसी)। इस बार रामनवमी पर सूरज की किरणें राम मंदिर में विराजमान भगवान श्री रामलला का अभिषेक करेंगी। किरणें 17 अप्रैल को ठीक दोपहर 12 बजे मंदिर की तीसरी मंजिल पर लगाए गए ऑप्टोमैकेनिकल सिस्टम के जरिए गर्भगृह तक आएंगी। यहां किरणें दर्पण से परावर्तित होकर सीधे रामलला के मस्तक पर 4 मिनट तक 75 मिमी आकार के गोल तिलक के रूप में दिखेंगी। इस सूर्य तिलक को देश के दो वैज्ञानिक संस्थानों की मेहनत से साकार किया जा रहा है। मंदिर के पुजारी अशोक उपाध्याय के मुताबिक कुछ दिन पहले सूर्य

तिलक के लिए वैज्ञानिक उपकरण गर्भगृह के ठीक ऊपर तीसरी मंजिल पर लगाए गए हैं। रविवार को दोपहर की आरती के बाद पहला ट्रायल हुआ तो किरणें रामलला के होठों पर पड़ीं। फिर लैंस को दोबारा सेट कर सोमवार को ट्रायल हुआ तो किरणें मस्तक पर पड़ीं। इससे रामनवमी पर सूर्य तिलक का आयोजन अब तय माना जा रहा है। तीन दिन पहले श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कहा था कि रामनवमी पर सूर्य तिलक की तैयारी है। इसका प्रसारण 100 एलईडी स्क्रीन्स से पूरे अयोध्या में होगा।

एके एंटनी ने अपने बेटे के खिलाफ ही खोला मोर्चा

● एके एंटनी ने की एंटो एंटनी को जिताने की अपील

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। 2024 लोकसभा चुनावों में जहां तमाम परिवारों के बीच सियासी तौर पर लड़ाई हो रही है तो वहीं केरल में देश के पूर्व रक्षा मंत्री ए के एंटनी ने अपने बेटे अनिल एंटनी के चुनाव हारने की कामना की है। कांग्रेस के दिग्गज नेता ए के एंटनी ने अपने बेटे के खिलाफ जबरदस्त मोर्चा खोल दिया है। एंटनी ने कहा है कि मेरे बेटे को चुनाव में हराना जरूरी है। अनिल एंटनी राज्य में बीजेपी के टिकट पर केरल की पथानामथिट्टा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कुछ समय पहले बीजेपी का दामन थाम लिया था। पिता एके एंटनी ने अब अपने बेटे के ही हार की दुआ मांगी है। एंटनी अपने बेटे के खिलाफ प्रचार कर रहे हैं। एके एंटनी ने कहा है कि कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़ने वाली बीजेपी पार्टी को हराना होगा। उनके बेटे की जगह पर एंटो एंटनी को जीतना चाहिए। एंटनी ने कहा कि बेटे ने बीजेपी में शामिल होकर गलती की है।

ये तो सिर्फ ट्रेलर है! अभी भारत को नए मुकाम पर ले जाना है

बालाघाट में पीएम मोदी ने कहा-मुझे धमकी ना दें, महाकाल का भक्त हूं

● कहा-मैं या तो महाकाल के आगे झुकता हूं या जनता जनार्दन के सामने

भोपाल। मध्यप्रदेश के बालाघाट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब तक जो विकास के कार्य किए हैं वो तो फुलझड़ी है। अभी तो विकास के रॉकेट को और भी ऊंचाई पर लेकर जाना है। पीएम मोदी ने कहा कि अभी तो ये ट्रेलर है। अभी भारत को नए मुकाम पर ले जाना है। उन्होंने कहा कि मोदी मौज करने के लिए पैदा नहीं हुआ है। पीएम मोदी ने खुद को भगवान महाकाल का भक्त बताया। उन्होंने कहा कि मोदी या तो महाकाल के सामने झुकता है या फिर जनता जनार्दन के सामने। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बालाघाट में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने सभा में उमड़ी भीड़ को देखकर कहा- इतनी बड़ी तादाद में माताओं-बहनों का प्यार साफ दिखा रहा है कि 4 जून को प्रदेश में क्या परिणाम आने वाले हैं। विधानसभा चुनाव में ही आपने कांग्रेस को पूरी तरह साफ कर दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के लोग भाजपा से नहीं लड़ रहे, वो तो आपस में एक-दूसरे से लड़ रहे हैं। मोदी ने कहा- कांग्रेस ने अब इंडिया गठबंधन बनाकर देश के खिलाफ बिगुल फूंक दिया है। ये आपस में लड़ते हैं लेकिन कहते हैं कि मोदी को रोकने के लिए साथ आए हैं लेकिन असल में उन्हें मोदी को नहीं रोकना है बल्कि उन्हें देश के विकास को रोकना है। मोदी ने कहा- कांग्रेस अभी भी अपनी पुरानी मानसिकता में जकड़ी हुई है। भाजपा जब आदिवासी महिला राष्ट्रपति के लिए आगे बढ़ी, तब कांग्रेस ने उन्हें हराने के लिए पूरी ताकत लगा दी। कांग्रेस आजादी का श्रेय किसी आदिवासी को नहीं, अपने शाही परिवार को देना चाहती है। हमारी सरकार ने टंट्या मामा जैसे आदिवासी क्रांतिकारियों को सम्मान दिया।

राहुल गांधी ने चखा महुआ पूछा-कितना पैसा मिलता है

एमपी के उमरिया में आदिवासी महिलाओं को देखकर गाड़ी रुकवाई, कई सवाल किए

उमरिया (एजेंसी)। कांग्रेस के स्टार प्रचारक और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को एमपी में महुआ बीने। वे शहडोल से उमरिया जा रहे थे। रास्ते में आदिवासी महिलाओं को महुआ बीनते देख काफिला रुकवाया और उनसे बातचीत की। राहुल ने कुछ महुए बीने और चखकर भी देखा। राहुल सोमवार को चुनावी सभा करने शहडोल आए थे। उन्होंने इन सभाओं में आदिवासियों पर फोकस किया। लौटते वक्त फ्यूल की कमी के कारण उनका हेलीकॉप्टर उड़ नहीं सका। राहुल ने शहडोल के एक निजी होटल में रात गुजारी। बांधवगढ़ से लगे जंगल में एक ढाबे पर डिनर किया। राहुल ने इंस्टा पर शहडोल दौरे का अपना वीडियो शेयर किया, जिसमें लिखा- आज की शाम शहडोल के नाम। उनके साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी थे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बताया कि हेलीकॉप्टर के लिए भोपाल से फ्यूल मंगवाया गया, लेकिन खराब मौसम के कारण फ्यूल समय पर नहीं पहुंच पाया था। राहुल मंगलवार सुबह चार्टर्ड प्लेन से दिल्ली के लिए रवाना हुए। राहुल गांधी ने नमस्कार कर महिलाओं से पूछा, यह फसल आप जमीन से उठाते हो। इसके बाद महुआ चखकर बोले- नॉट बैड। महिलाओं ने जवाब दिया, सुबह 3 बजे से बैठे हैं, तब जाकर इतना सा मिला है।

डॉक्टर के घर 50 लाख रुपए और जेवरात की हो गई लूट

● राजधानी में घर के नौकर ने वारदात को दिया अंजाम

भोपाल। भोपाल में एक महिला डॉक्टर के घर 50 लाख रुपए, 10 तोले का हार और एक डायमंड सेट की लूट हो गई। वारदात को घर के ही नौकर ने अपने साथियों के साथ मिलकर अंजाम दिया था। घटना के वक्त पूरा परिवार एक होटल में बर्थडे मनाने गया था। इस दौरान घर में नौकर लक्ष्मण, उसका नाबालिग भाई और सर्वेंट पति-पत्नी को मिलाकर चार लोग थे। शाहपुरा बी सेक्टर मकान नंबर 234 निवासी डॉ. अंशुल सिंह के घर सोमवार रात 10.10 बजे घटना हुई। उस वक्त घर में 4 नौकर-नौकरानी थे। तभी रात हथियारबंद बदमाश घर में घुसे। उन्होंने लक्ष्मण को पीटने का नाटक किया। साथ ही नौकर-नौकरानी से भी मारपीट कर उन्हें कमरे में बंद कर दिया। लक्ष्मण ने घटना सच्ची लगी इसलिए अपने साथियों के साथ घर में तोड़फोड़ की। इसके बाद रुपए और जेवरात लेकर बदमाशों को रवाना कर दिया। फिर पुलिस को सूचना दी। इस बीच डॉक्टर का परिवार होटल से लौटा तो उन्हें घटना की जानकारी मिली। बता दें, डॉ. अंशुल सिंह कोलार रोड स्थित एलएन मेडिकल कॉलेज एंड जेके हॉस्पिटल के न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। डॉ. अंशुल हाल ही में भाजपा में शामिल हुए सतना जिले के नागोद से पूर्व विधायक ज्ञानेंद्र सिंह की बहन हैं।

महाराष्ट्र में इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग हो गई तय

शिवसेना 21, कांग्रेस 17 और एनसीपी 10 सीटों पर ठोकेगी ताल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी आगामी लोकसभा चुनावों के लिए सीट-बंटवारे के समझौते पर पहुंच गया है। राज्य में उद्धव ठाकरे के गुट वाली शिवसेना 21 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि कांग्रेस 17 सीटों पर लड़ेगी और एनसीपी के शरद पवार गुट को 10 सीटें मिलेंगी। आज मुंबई के शिवालयम में महाविकास अघाड़ी की एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। इसमें एनसीपी एससीपी चीफ शरद पवार, उद्धव ठाकरे, बालासाहेब थोराट, पृथ्वीराज चव्हाण, नाना पटोले, जयंत पाटिल, संजय राउत और महाविकास अघाड़ी के सभी प्रमुख नेता मौजूद थे। इस मौके पर संजय राउत ने सीट शेयरिंग का फार्मूला बताया। इसके मुताबिक, उद्धव ठाकरे के गुट वाली शिवसेना सबसे ज्यादा 21, कांग्रेस 17 और एनसीपी शरद पवार ग्रुप 10 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने यह भी जानकारी दी कि किस पार्टी के खाते में कौन सी सीट आई है। इसके मुताबिक कांग्रेस को नंदुरबार, धुले, अकोला, अमरावती, नागपुर, भंडारा-गोंदिया, गढ़चिरौली-चिमूर, चंद्रपुर, नांदेड़, जालना, मुंबई उत्तर-मध्य, पुणे, लातूर, सोलापुर, कोल्हापुर, रामटेक और उत्तर मुंबई सीटें मिली हैं।

न बधाइयों के पोस्टर, न मेल मुलाकात के आयोजन

● राजधानी में आचार संहिता ने रोके कदम, फीका लग रहा ईद का त्योहार

भोपाल। ईदगाह के बड़े मंच से मुखिया से लेकर नेताओं तक की फूल बरसाई, सारे शहर में त्योहार की मुबारकबाद देते पोस्टर होर्डिंग्स का मजमा, ईद मिलन के लिए गलियों-गलियों, घर-घर दस्तक देते मुखिया जी और नेता...आधा महीना जारी रहने वाले ईद मिलन समारोह। शहर की उत्सव संस्कृति में यह सब शामिल है। लेकिन इस बार यह नजारा शहर से छिटका हुआ दिखाई दे रहा है। लोकसभा चुनाव के लिए लागू आदर्श आचार संहिता ने यह हालात बनाए हैं। ईदगाह में होने वाली ईदुल-फितर की मुख्य नमाज के बाद यहां एक बड़े मंच पर हाथों में फूल लिए मौजूद रहने वाले प्रदेश के मुखिया लोगों को अब भी याद हैं। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस सिलसिले को अपनी पूरी पारी के दौरान जिंदा रखा था। मंच से नमाजियों पर फूल बरसाने के बाद वे शाहजहानाबाद, कबीटपुरा, नारियल खेड़ा और टीला जमालपुरा की रंग गलियों में भी पहुंचकर लोगों से ईद मिल लिया करते थे। बड़ों के लिए तोहफे और बच्चों के लिए ईदी भी इस दौरान दिखाई दिया करती थी। ईद जैसे बड़े त्यौहार के लिए शुभकामना और बधाई के संदेश देते पोस्टर होर्डिंग्स लगाए जाने की भी एक अघोषित जंग इस शहर ने देखी है। रॉयल मार्केट, वीआईपी रोड, इकबाल मैदान, कमला पार्क रोड, बुधवारा, शाहजहांनाबाद, जहांगीराबाद जैसे बड़े इलाकों से लेकर छोटी गलियों तक में यह पोस्टर दिखाई दिया करते थे। सियासी लोगों के समर्थकों के अलावा व्यापारी संगठन और सामाजिक कार्यकर्ता भी इन पोस्टरों पर दिखाई दिया करते थे। माह-ए-रमजान में बड़ी रोजा इफ्तार दावतों के अलावा शहर में बड़े पैमाने पर ईद मिलन समारोह आयोजित किए जाने की परंपरा भी रही है। बड़े नेताओं से लेकर छोटे कार्यकर्ताओं तक मिलन समारोह यहां करते रहे हैं। इन आयोजनों में शामिल होना भी एक प्रतिष्ठा सिंबल के तौर पर माना जाता रहा है। रमजान माह की शुरुआत और आचार संहिता की पाबंदी साथ साथ ही शुरू हुई हैं। नतीजा पहला प्रभाव बड़ी सियासी रोजा इफ्तार दावतों पर हुआ। इसके आगे चलकर होर्डिंग्स और पोस्टर चकल्लस भी पाबंदियों के चलते ठंडी ही बनी रही। बड़े नेताओं ने अपने समर्थकों और कार्यकर्ताओं को सख्ती से ऐसी गतिविधियों में उनका नाम शामिल करने से रोक दिया था। सीएम बनने के बाद पहली बार ईदगाह मंच पर चढ़ने का मौका डॉ. मोहन यादव को नहीं मिल पाएगा। उनकी इस मुलाकात, जमावड़े और संबोधन को आचार संहिता का उल्लंघन या कौम खास को लुभाने से जोड़ा जा सकता है। जिसके चलते इस तरह के किसी आयोजन की उम्मीद इस ईद पर नहीं की जा सकती।

खुशखबरी! इस साल देश में सामान्य रहेगा मानसून

स्काईमेट ने कहा-शुरुआत में अलनीनो का असर दिखाई दे सकता है, दूसरे फेज में भरपाई हो जाएगी

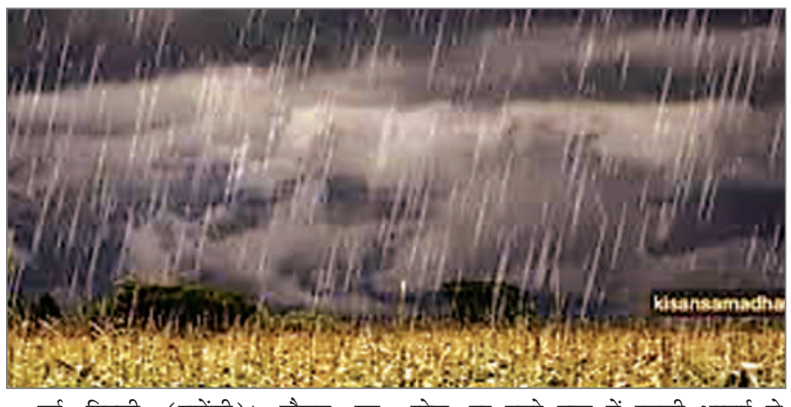

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम का पूर्वानुमान लगाने वाली एजेंसी स्काईमेट ने मंगलवार को मानसून का अनुमान जाहिर किया। स्काईमेट के मुताबिक, 2024 में मानसून सामान्य रहेगा। एजेंसी ने मानसून सीजन के 102ए (5ए प्लस-माइनस मार्जिन) रहने की संभावना जाहिर की है। जून से सितंबर तक चलने वाले 4 महीने के मानसून सीजन के लिए औसत 868.6 मिमी है। स्काईमेट के मैनेजिंग डायरेक्टर जतिन सिंह ने कहा कि शुरुआत में अल-नीनो का असर रहेगा, पर दूसरे हाफ में इसकी भरपाई हो जाएगी। इस साल स्काईमेट ने दूसरी बार मानसून का पूर्वानुमान जारी किया है। इससे पहले 12 जनवरी 2024 को भी स्काई मेट ने मानसून के सामान्य रहने की संभावना जाहिर की थी। स्काईमेट के मुताबिक, अलनीनो काफी तेजी से ला नीना में बदल रहा है। यह अच्छा संकेत है। अलनीनो का ला नीना में बदलना अच्छे मानसून का कारण बनता रहा है। हालांकि, मानसून की शुरुआत में अल नीनो के बचे खुचे असर के कारण मानसून पर थोड़ा असर पड़ सकता है, लेकिन दूसरे चरण में मानसून भरपाई कर लेगा। अल नीना से ला नीना में परिवर्तन के चलते सीजन की शुरुआत में देरी हो सकती है। सीजन के दौरान अलग-अलग और असमान बारिश की संभावना है। यानी कहीं ज्यादा और कहीं कम बारिश हो सकती है। अल नीनो एक वेदर ट्रेंड है, जो हर कुछ साल में एक बार होता है। इसमें ईस्ट पैसिफिक ओशन में पानी की ऊपरी परत गर्म हो जाती है।

आईएमडी ने बताया कि इस क्षेत्र में फरवरी में औसत तापमान 0.44 डिग्री से बढ़कर जून के मध्य तक 0.9 डिग्री पर आ गया था। ब्रिटानिका के मुताबिक अल-नीनो की पहली रिकॉर्डेड घटना साल 1525 में घटी थी। इसके अलावा 1600 ईस्वी के आसपास पेरू के मछुआरों ने महसूस किया कि समुद्री तट पर असामान्य रूप से पानी गर्म हो रहा है। बाद में रिसर्चर्स ने बताया था कि ऐसा अल-नीनो की वजह से हुआ था। पिछले 65 सालों में 14 बार अल-नीनो प्रशांत महासागर में सक्रिय हुआ है। इनमें 9 बार भारत में बड़े स्तर पर सूखा पड़ा। वहीं, 5 बार सूखा तो पड़ा, लेकिन इसका असर हल्का रहा।

बंगाल पुलिस ने एनआईए के 2 अधिकारियों को भेजा समन

खुद पर एफआईआर के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची जांच एजेंसी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआईए की टीम पर हुए हमले का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। बंगाल पुलिस ने एनआईए टीम के दो अधिकारियों को समन जारी किया है। भूपतिनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत देने वाले अधिकारी और कथित हमले में घायल एक अन्य अधिकारी को समन भेजा गया है। हमले में घायल हुए अधिकारी को बतौर गवाह बुलाया गया है और उन्हें अपने साथ मेडिकल सर्टिफिकेट भी लाने के लिए कहा गया है। वहीं, बंगाल पुलिस की एफआईआर के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। बंगाल पुलिस ने अधिकारियों के कहा कि वह हमले में क्षतिग्रस्त हुई कार को भी अपने साथ लेकर आएं। एनआईए टीम पर हुए हमले के संबंध में उनके बयान जांच अधिकारी दर्ज करेंगे। बताया जा रहा है कि इस मामले में पहले नियुक्त जांच अधिकारी को बदल दिया गया है। भूपतिनगर पुलिस स्टेशन के जांच अधिकारियों ने एनआईए टीम पर हमले के मामले में तीन ग्रामीणों को भी समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया है। इन लोगों को दो से तीन दिनों के अंदर पुलिस के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। वहीं, एनआईए के दोनों अधिकारियों को 11 अप्रैल को आने के लिए कहा गया है। बता दें कि एनआईए की टीम बीते शनिवार को 2022 में हुए बम विस्फोट मामले की जांच करने के लिए पूर्वी मेदिनीपुर में छापेमारी करने गई थी।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, बुधवार 10 अप्रैल, 2024

संक्षिप्त समाचार

भूतड़ी अमावस्या पर नींबू-तलवार लेकर लगाई डुबकी

नर्मदापुरम(निप्र)। चैत्र माह की अमावस्या (सोमवती अमावस्या) के अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने नर्मदापुरम में मां नर्मदा में स्नान किया। सोमवार तड़के से ही नर्मदा के सेठानी और दूसरे घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ है। उज्जैन में शिप्रा के तट और बावन कुंड पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने स्नान-ध्यान कर पूजन किया। चैत्र अमावस्या को कुछ क्षेत्रों में भूतड़ी अमावस्या भी कहा जाता है। सोमवार को अमावस्या होने से स्नान का महत्व और बढ़ गया। तंत्र साधकों ने भी पूजन किया। इटारसी, हरदा, बैतूल और आसपास के शहरों से लोग स्नान के लिए नर्मदापुरम आए। चैत्र अमावस्या के दिन स्नान और दान-पुण्य का विशेष महत्व होता है। ब्राह्मण और गरीबों को अनाज, बर्तन, कपड़े दान कर भोजन कराया जाता है। नवरात्र, नवरात्रि और घट स्थापना से पहले श्रद्धालु स्नान करने आते हैं।

जिला अस्पताल में लगे 3 वॉटर कूलर बंद, पाइपलाइन भी टूटी

नर्मदापुरम(निप्र)। जिला अस्पताल में लगे तीन वॉटर कूलर बंद पड़े हैं। नैदानिक केंद्र प्रसूति वार्ड और वेटिंग हॉल के पास लगे वॉटर कूलर बंद पड़े हैं। गर्मी का सीजन होने के कारण यहां पर आने वाले मरीजों व परिजनों को पेयजल के लिए परेशान होना पड़ता है। दरअसल, जिला अस्पताल में लगे वॉटर कूलर की सेफ्टी नहीं होने के कारण मरीजों के परिजन इन वॉटर कूलर में बर्तन व कपड़े धोते हैं। इतना नहीं रात में नशा करने वाले असामाजिक तत्व भी वॉटर कूलर से ठंडा पानी लेकर जाते व इन्हें नुकसान पहुंचाते हैं। प्रबंधन का ध्यान नहीं होने और समय पर मेंटेनेंस नहीं होने के कारण वॉटर कूलर खराब हो जाते है। टोटियां भी टूटी हैं। अस्पताल में पेयजल के लिए एकमात्र हैंडपंप है, जिससे पेयजल व अन्य उपयोग के लिए पानी की पूर्ति की जा रही है।

परशुराम जयंती मनाएगी विप्र मातृशक्ति

नर्मदापुरम(निप्र)। सर्व ब्राह्मण महिला संगठन ने परशुराम जयंती के संबंध में रविवार को बैठक की। बैठक में संरक्षक मांडवी शर्मा एवं सफलता तिवारी की उपस्थिति में सुंदरकांड का पाठ कर परशुराम जयंती के आयोजन पर चर्चा की गई। जिला प्रवक्ता सर्व ब्राह्मण महिला संगठन आरती शर्मा ने बताया इस वर्ष भी 2 दिन सांस्कृतिक धार्मिक कार्यक्रम के साथ परशुराम जयंती मनाई जाएगी। सर्व ब्राह्मण समाज की शोभायात्रा में भी मातृशक्ति सहयोग देगी। बालक-बालिकाओं की धर्म आधारित पात्रों की वेशभूषा प्रतियोगिता के साथ नृत्य, नाटिका एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। पुरस्कार अंतिम दिवस प्रदान किए जाएंगे।

जिला सलाहकार समिति की बैठक

सीहोर (निप्र)। जिला सलाहकार समिति की बैठक 15 अप्रैल को दोप. 02.00 बजे से आयोजित कि गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री सुधीर डेहरिया ने बताया कि शासन निर्देशों के तहत पीसीपीएनडीटी अधिनियम-1994 के अनुसार प्रत्येक 03 माह जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित कि जाये। इसी को दृष्टिगत रखते हुये जिला सलाहकार समिति की बैठक 15 अप्रैल 2024 को दोप. 02.00 बजे से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित कि गई है।

लंबित आवेदनों के निराकरण में कसावट लाएं-कलेक्टर वैद्य

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने सोमवार को लंबित आवेदनों की समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न स्तरों पर लंबित आवेदनों के निराकरण में कसावट लाने की हिदायत देते हुए कहा कि कुछ विभागो के कारण जिले की ख्याति परिवर्तित हो रही है। कलेक्टर श्री वैद्य ने सीएम हेल्पलाइन के लंबित आवेदनों के निराकरण मामलो में विदिशा जिला प्रदेश में चैथे स्थान पर है इस स्थान से ग्राफ नीचे ना जाए इसके लिए ऐसे विभाग जो डी ग्रेड सूची में शामिल है उन्हें विशेष मेहनत, पहल करनी होगी ताकि मासिक अंतिम रैकिंग सूची में विदिशा जिला प्रदेश में अव्वल हो सकें। उन्होंने कहा कि मार्च माह के लंबित आवेदनों के निराकरण पर भी रैकिंग के आधार पर अंको व प्रतिशतों की प्राप्ति होगी। अतः ऐसे विभाग जिनके यहां मार्च माह के आवेदन लंबित है वे निराकरण कराना सुनिश्चित करें ताकि शत प्रतिशत अंको की प्राप्ति हो सकें।

कलेक्टर श्री वैद्य ने राजस्व विभाग के लंबित आवेदनों पर असंतोष जाहिर करते हुए समस्त राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सीएम हेल्पलाइन के आवेदनो की पृथक से समीक्षा करें और पटवारियों को इस कार्य में संलग्न करें ताकि राजस्व प्रकरणों के निराकरणो में तेजी आ सकें। इसी प्रकार की कार्यप्रणाली अनुविभागीय अधिकारी अन्य विभागो के आवेदनों के मामलो में भी अपनाएं। कलेक्टर श्री वैद्य ने पीएम जनमन योजना के कार्यो की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि विदिशा जिले में योजना के तहत चिन्हित सहरिया जनजाति के कुल 47530 आबादी को शत प्रतिशत हितलाभ पहुंचाना है। अतः इस कार्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि ना हो का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने विभागवार प्रदाय की जाने वाली सुविधाओं की अद्यतन स्थिति का जायजा लिया है।

कलेक्टर श्री वैद्य ने लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक के दौरान उपार्जन कार्यो के संबंध में भी आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए समस्त एसडीएमों से कहा है कि कार्यक्षेत्रों के उपार्जन केन्द्रो का भी समय-समय पर औचक निरीक्षण करें जिससे उपार्जन केन्द्रो में भय बना रहे और वे सभी कार्य पूर्ण पारदर्शिता के साथ-साथ समय अवधि में पूरा करें। उन्होंने हरेक उपार्जन केन्द्र पर नीति के अनुसार किसानो को प्रदाय की जाने वाली सुविधाओं में किसी भी प्रकार की कमी ना हो का विशेष ध्यान देने पर बल दिया है कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि समर्थन मूल्य पर क्रय किए गए गेंहू का भण्डारण खुले क्षेत्र में ना हो का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि वेयर हाउसो पर ही उपार्जन केन्द्र संचालित हो रहे है अतः हरेक दिन का गेहूं शाम तक नियत वेयर हाउस के चिन्हित स्थलों पर भण्डारित किया जाए ताकि मौसम के बदलाव के कारण कहीं किसी भी प्रकार से क्षति ना हो पाए। कलेक्टर श्री वैद्य ने इसी प्रकार मंडियो का भी औचक निरीक्षण सतत करते रहने के निर्देश एसडीएमों को दिए है। कलेक्टर श्री वैद्य ने सभी विभागो के अधिकारियों के साथ-साथ लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, स्वास्थ्य, बिजली एवं उपार्जन क्रियान्वित करने वाले विभागो के अधिकारियों को निर्देश दिए है कि कॉल सेन्टर से प्राप्त होने वाली शिकायतो के निराकरण मामलो में जरा भी विलम्ब ना करें कि गई कार्यवाही का पालन प्रतिवेदन जिला कार्यालय के साथ-साथ मुख्यमंत्री कार्यालय को प्रेषित करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री वैद्य ने बताया कि कॉल सेन्टर से प्राप्त होने वाली शिकायतो के लिए जिला स्तरीय नोडल अधिकारी का दायित्व जिला पंचायत सीईओ को सौंपा गया है इसी प्रकार संबंधित विभाग के अधिकारी को विभागीय नोडल अधिकारी बनाया गया है ताकि खण्ड स्तरीय प्राप्त होने वाली शिकायतो का भी समाधान त्वरित समन्वय से किया जा सकें। बैठक में न्यायालय में प्रचलित प्रकरणों के जबाव दावों की स्थिति लंबित पेंशन प्रकरणो, के भुगतान की स्थिति की समीक्षा की गई है। जिला पंचायत सीईओ व स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉ योगेश भरसट ने मतदाता जागरूकता के क्रियान्वित कार्यो पर प्रकाश डालते हुए कहा कि चिन्हित मतदान केन्द्रो पर शत प्रतिशत मतदान हो इसके लिए हर स्तर पर प्रचार-प्रसार के साथ-साथ मतदान केन्द्र पर पहुंचकर मतदान करें के संदेश सम्प्रेषित किए जा रहे है। उक्त कार्य मतदान में परिवर्तित हो इसके लिए जनजागरूकता आवश्यक है। अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत दोनो संसदीय क्षेत्रों में संपादित किए जाने वाले कार्यो के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मोहिनी शर्मा ने इपिक कार्ड के वितरण हेतु किए गए प्रबंधो पर प्रकाश डाला है। कलेक्टेऊट के बेतवा सभागार कक्ष में सम्पन्न हुई इस बैठक में संयुक्त कलेक्टर द्वय श्रीमती शशि मिश्रा, सुश्री निकिता तिवारी, डिप्टी कलेक्टर द्वय श्री संतोष बिटौलिया, श्री विनीत तिवारी के अलावा समस्त विभागो के जिलाधिकारी वहीं विदिशा एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार भी मौजूद रहें जबकि शेष अन्य एसडीएम व खण्ड स्तरीय अधिकारियों से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से संवाद किया गया है।

सिवनी मालवा में लोकसभा चुनाव की तैयारियां तेज, मतदान अधिकारी क्रमांक दो और तीन का प्रशिक्षण संपन्न

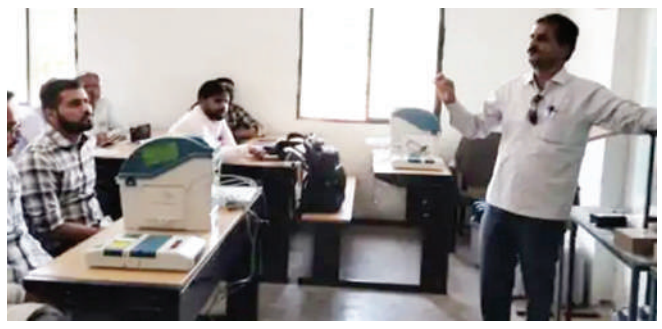

सिवनी मालवा (निप्र)। सिवनी मालवा में मतदान अधिकारी क्रमांक दो एवं तीन का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हो गया जिसमे मास्टर ट्रेनर्स ने प्रशिक्षण में मतदान कर्मियों को जानकारी प्रदान की। भारत निर्वाचन आयोग एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नर्मदापुरम के निर्देशानुसार आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 को दृष्टिगत रखते हुए विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 136 सिवनी मालवा के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिवनी मालवा में मतदान अधिकारीयों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा था। मास्टर ट्रेनर्स ने प्रशिक्षण में मतदान कर्मियों को पीपीटी के माध्यम से मतदान दल द्वारा प्राप्त की जाने वाली सामग्री, मतदान कर्मियों के आचरण नियम, टेंडर मत, अभ्याक्षेपित मत, दिखावटी मतदान के पश्चात ईवीएम मशीन को सीआरसी करना, मतदान समाप्ति के पश्चात क्लोज बटन दबाना अनिवार्य है ये सब बताया गया।

दिखावटी मतदान के पश्चात पीठासीन अधिकारी के दायित्व, मतदान दिवस पर दिखावटी मतदान की प्रक्रिया के दौरान कार्य, मतदान अधिकारी क्रमांक 2 व 3 के दायित्वों के निर्वहन के बारे में भी बताया गया। जिसमें अधिकारी क्रमांक 2 के द्वारा मतदाता रजिस्टर में प्रविष्टि करना, मतदाता को अमिट स्याही लगाना, व मतदाता पर्ची जारी करना, अधिकारी क्रमांक 3 का कार्य मतदाता से पर्ची प्राप्त कर उसकी उंगली में लगी अमिट स्याही को देखना और सीयू से बैलेट जारी करना व मतदान प्रकोष्ठ पर ध्यान रखना, कि मतदाता वोटिंग करके ही प्रकोष्ठ से निकले, सभी मतदान कर्मियों को ईवीएम मशीन का हैंड्स ओंन प्रशिक्षण दिया गया।

साथ ही ईवीएम मशीन को कनेक्ट करने के बारे में भी बताया गया व लोक सेवकों से 12 क में ईडीसी के आवेदन लिए गए। प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर्स सुरेंद्र कुमार पाटिल, कमलेश कुमार यादव, मनित कुमार दुबे ने दिया।

कलेक्टर सिंह ने खिरकिया के मतदाता जागरूकता रथ को किया रवाना

हरदा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन के लिये आयोजित मतदाता जागरूकता गतिविधियों के तहत सोमवार को कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने मतदाता जागरूकता प्रचार वाहन को कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह प्रचार वाहन 8 से 15 अप्रैल तक खिरकिया नगर के सभी वार्डों का भ्रमण करेगा। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रोहित सिसोनिया व अपर कलेक्टर डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ पुरस्कृत हुए

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने लोकसभा निर्वाचन 2024 के दरम्यिान मतदाता सूची से संबंधित कार्यो को सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराने वाले हरेक विधानसभा के प्रथम तीन-तीन बीएलओ को उत्कृष्ट कार्यो के संपादन पर उन्हें आज टीएल बैठक के दौरान प्रशंसा पत्र प्रदाय कर सम्मानित किया है। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट, अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मोहिनी शर्मा के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद रहें। कलेक्टर श्री वैद्य ने पुरस्कृत होने वाले बीएलओ को बधाईयां, शुभकामनाएं देते हुए उनसे सब से अपेक्षा व्यक्त की है कि लोकसभा निर्वाचन के दौरान उनके इन तीन-तीन मतदान केन्द्रो पर सौ प्रतिशत मतदान हो कि ओर विशेष पहल करें ताकि विदिशा जिला प्रदेश ही नहीं बल्कि देश में जाना जाए।

सवा लाख की अवैध शराब पकड़ाई-अंबेडकर वार्ड में पुलिस ने चार स्थानों से जब्त की 128 लीटर शराब

पिपरिया(निप्र)। लोकसभा चुनावों के दौरान अवैध शराब बनाने वालो के खिलाफ पुलिस अभियान चल रहा है। पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्र के निर्देश पर स्टेशन रोड पुलिस ने रविवार शाम कुचबंदिया मोहल्ला मे दबिश दे कर भारी मात्रा में शराब और शराब बनाने का महुआ लाहन जब्त किया है। अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), मोहित कुमार यादव ने थाना प्रभारी स्टेशन रोड़ विजय सनस के साथ पुलिस ने अलग स्थानों से 128लीटर शराब और एक हजार लीटर तक शराब तैयार करने रखा महुआ जब्त किया। शराब की कीमत करीब 13 हजार और महुआ एक लाख का बताया गया हैं।

चार आरोपियों पर केस दर्ज : अम्बेडकर वार्ड कुचबंदिया मोहल्ले से पुलिस ने छापा मार कार्रवाई के दौरान चार स्थानों से आरोपियों को अवैध शराब आपके साथ गिरफ्तार किया है। धारा 34 (1) आबकारी अधिनियम का केस दर्ज कर विवेचना में लिये गये।

आरोपियों की धर पकड़ में ये रहे शामिल

आरोपियों की धर पकड़ में उनि जीएस ठाकुर, सउनि आरिफ खान, महेन्द्र ओनकर, प्रआर राजकुमार धाकड़, नंदकिशोर अहिरवार, देवेन्द्र मांझी, आर. प्रदीप यादव, प्रभाकर चौधरी,धनेन्द्र चौहान, दुर्गेश लोधी, दीपक लोधी, मनोज करोचे, सनेह साहू, प्रदीप सोनी, लोकेश शिल्पी, ईशिका दुबे,निधी तिनगुरिया की टीम शामिल रही।

रैली निकालकर मतदाताओं को किया जागरुक

नर्मदापुरम(निप्र)। जनपद पंचायत नर्मदापुरम के तहत सोहागपुर विधानसभा के ग्राम रामपुर में रैली निकालकर 26 अप्रैल को लोकसभा चुनाव में मतदान करने मतदाताओं जागरुक किया। मतदाताओं को जागरूक करने रैली निकाली गई । ज्ञात हो कि जनपद नर्मदापुरम के तहत होशंगाबाद, सिवनी मालवा व सोहागपुर तीनों विधानसभाओं की ग्राम पंचायतें सम्मिलित हैं। जिनमें मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। विधान सभा के मतदान केन्द्र 136,137 में बूथ स्तरीय जागरूकता समूह की ओर से ग्राम के मुख्य मार्गों से मतदान जागरूकता रैली निकाल कर मतदाताओं को चुनाव में मतदान करने के लिए प्रेरित किया। विभिन्न नारों के साथ रैली में सहायक विकास विस्तार अधिकारी एसएल सातनकर, ग्राम पंचायत सचिव तुकाराम चौरे, सहायक सचिव सतीश यादव, बीएलओ बिहारीलाल कुशवाहा, शिक्षक मनोज चौहान, मनीष तिवारी, संजय सराठे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बैजन्ती यादव, आंगनवाड़ी सहायिका बबली अहिरवार, सीमा चौरे, आशा कार्यकर्ता माया पटवा, गिरजा घुरेले, ग्राम कोटवार, राजेन्द्र यादव सहित अन्य शासकीय कर्मचारी ने रैली में भाग लिया ।

उदयपुरा विधानसभा के मतदान दलों का द्वितीय रेण्डमाइजेशन सम्पन्न

होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र में शामिल उदयपुरा में 26 अप्रैल को होगा मतदान

रायसेन (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन-2024 हेतु संसदीय क्षेत्र 17-होशंगाबाद में शामिल रायसेन जिले की विधानसभा क्षेत्र 140-उदयपुरा के लिए मतदान दलों का द्वितीय रेण्डमाइजेशन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे की उपस्थिति में रविवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित एनआईसी कक्ष में सम्पन्न हुआ। रेण्डमाइजेशन प्रक्रिया में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 140-उदयपुरा हेतु नियुक्त सामान्य प्रेक्षक आईएएस डॉ प्रीतम बी.यशवंत वर्चुअली शामिल हुए। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित सॉफ्टवेयर पर रेण्डमाइजेशन की यह प्रक्रिया सम्पन्न हुई। संसदीय क्षेत्र 17-होशंगाबाद में शामिल उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र में बनाए गए कुल 308 मतदान केन्द्रों के लिए आयोग के निर्देशानुसार रेण्डम प्रक्रिया से 10 प्रतिशत रिजर्व सहित कुल 339 मतदान दलों का रेण्डमाइजेशन सम्पन्न हुआ। उदयपुरा विधानसभा हेतु बनाए गए 308 मतदान केन्द्रों में से 10 महिला मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। इन केन्द्रों पर महिला कर्मचारी ही मतदान सम्पन्न कराएंगी। इसी प्रकार 120 मिक्स्ड बूथ बनाए गए हैं, इन केन्द्रों पर मतदान दल में दो पुरूष और दो महिला कर्मचारियों की ड्यूटी रहेगी। आयोग के निर्देशानुसार 308 मतदान केन्द्रों के लिए रेण्डम प्रक्रिया से रिजर्व सहित कुल 339 मतदान दल बनाए गए हैं। मतदान दलों के रेण्डमाइजेशन के उपरांत माइक्रो आब्जर्वर की रेण्डमाइजेशन प्रक्रिया सम्पन्न हुई। एनआईसी कक्ष में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मुकेश सिंह, उदयपुरा सहायक रिटर्निंग अधिकारी श्री संतोष मुदगल, जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी श्री दीपेन्द्र कटियार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

निशुल्क शीतल जल सेवा शुभारंभ कार्यक्रम में मतदाता जागरूकता की शपथ का वाचन हुआ

कलेक्टर वैद्य, पुलिस अधीक्षक शुक्ला कार्यक्रम में शामिल हुए

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य एवं पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला आज रेलवे स्टेशन पर समाजसेवियों के माध्यम से निःशुल्क शीतल जल सेवा का शुभारंभ टेऊन में बैठे यात्रियों को पानी प्रदायकर किया है। रेल्वे स्टेशन परिसर में सार्वजनिक भोजनालय समिति विदिशा के द्वारा आयोजित उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया है।

कलेक्टर श्री वैद्य ने सार्वजनिक भोजनालय समिति विदिशा की निशुल्क शीतल जल प्रदाय सेवा के कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि मेरे संज्ञान में लाया गया है कि समिति द्वारा पिछले 41 वर्षो से उक्त सेवा का निरंतर निर्वहन किया जा रहा है वास्तव में ग्रीष्मकाल के दौरान स्वच्छ शीतल पेयजल कितनी सुगमता से मिल जाएगा कि कल्पना रेल यात्रियों ने कभी नहीं की है। उन्होंने इस पुनीत कार्य में लगे हुए सेवा भावी जलसेवकों को शुभकामनाएं अभिव्यक्त करते हुए कहा कि यात्रियों को पेयजल हेतु इस तरह की अभिनव पहल के लिए विदिशा की समिति अलग ही पहचान बनाए हुए हैं।

शपथ

लोकसभा निर्वाचन में सभी मतदाता अपने-अपने मतो का प्रयोग निर्धारित मतदान केन्द्र पर पहुंचकर करें के उद्धेश्य से संदेश सम्प्रेषण के विभिन्न आयामो का क्रियान्वयन किया जा रहा है इसी कडी के तहत आज रेल्वे स्टेशन परिसर कार्यक्रम में लोकसभा निर्वाचन 2024 में स्वीप गतिविधि अंतर्गत मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई गई। समाजसेवी श्री अतुल शाह ने शपथ का वाचन किया । जिसे कलेक्टर श्री वैद्य पुलिस अधीक्षक श्री शुक्ला समेत अन्य सभी व समिति के सदस्यगणों, स्टेशन मास्टर व अन्य स्टॉफ ने दोहराते हुए सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने का संकल्प भी लिया है।

मतदाताओं ने लिया लोकसभा निर्वाचन में नैतिक मतदान का संकल्प

रायसेन (निप्र)। जिले में लोकसभा आम निर्वाचन-2024 में अधिक से अधिक मतदान हो, इसके लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे के निर्देशन में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम जनकपुर, पिपलियो गोली, सुल्तानपुरखेडा सहित अन्य ग्रामों में स्व-सहायता समूहों की दीदियों द्वारा घर-घर जाकर महिलाओं को लोकसभा निर्वाचन में मतदान करने के लिए प्रेरित कर नैतिक मतदान का संकल्प दिलाया गया। उल्लेखनीय है कि जिले में नगरीय निकायों के साथ ही गॉव-गॉव में भी स्वीप प्लान के तहत रैली, दीवार लेखन, मेहंदी, रंगोली आदि गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...
इंदौर पाती
3
इंदौर, बुधवार 10 अप्रैल, 2024

नव संवत्सर का सूर्य के साथ बदलो ने भी सिंदूरी स्वागत

सौंदर्यीकरण के कारण प्रत्येक दिन वाहन चालकों के लिए नई मुसीबत

इंदौर। शहर के कई चौराहों पर वाहन चालकों की फजीहत इस शहर में अब आम बात हो गई है, लेकिन इन दिनों शहर का एक चौराहा ऐसा है, जो अपने सौंदर्यीकरण के कारण वाहन चालकों के लिए मुसीबत बनकर सामने आया है। इस चौराहे पर हर दिन लगने वाले जाम की लगातार शिकायत के बाद जागी यातायात पुलिस ने बस चालकों को एक बार फिर समझाइश देना शुरू किया है। मधुमिलन चौराहे पर जब से काम शुरू हुआ है। हर दिन ये वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बना है। अब कुछ काम खत्म होने के बाद जब एक बार फिर निगम ने मंदिर के पास (मधुमिलन टॉकीज की ओर) पाइप लाइन के लिए गड्ढा खोद दिया है, जिस कारण लगातार यातायात जाम को लेकर शिकायत मिल रही है। शिकायत के बाद यहां तैनात यातायात टीम ने यहां खड़े रहकर सवारी उतारने और बैठाने वाली सिटी बसों के साथ ही उपनगरीय बसों को समझाइश देते हुए चालानी कार्रवाई की है। टीम के अधिकारी के अनुसार, बार-बार समझाइश देने के बावजूद बस चालक अपने ढर्रे से बाज नहीं आ रहे थे, जिसके बाद चालानी कार्रवाई की गई और अब ये लगातार की जाएगी। इन्हें ये समझाइश भी दी जा रही है कि तय जगह से ही सवारियों को बैठाना और छोड़ना है, ताकि यहां से गुजरने वाले अन्य वाहन चालकों को परेशानी का सामना ना करना पड़ेयहां न केवल बसें, बल्कि ऑटो और ई-रिक्शा वाले भी सवारियों के चक्कर में अक्सर यातायात अवरूद्ध करते नजर आते है। कई बार तो यातायात पुलिस इन्हें समझाइश देती है, लेकिन कई बार यातायात पुलिस भी इन्हें मूकदर्शक बने देखती रहती है। कई ने यहां अस्थाई स्टैंड बना रखे है।

आईपीएल क्रिकेट मैच का ऑनलाइन सट्टा चलाने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। शहर में स्कीम 94 स्थित होटल शिव आम के रूम नंबर 203 में आईपीएल क्रिकेट मैच का ऑनलाइन सट्टा संचालित किया जा रहा था। इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देशन में थाना लसूडिया द्वारा टीम गठित गई और मुखबिर के द्वारा बताए स्थान पर दबिश दी गई। कार्यवाही में आईपीएल मैच का ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे कुछ संदिग्धों को पुलिस ने 3 आरोपियों अरविंद पिता कृष्ण मुरारी गुप्ता, आकाश पिता मुकेश राठौर, शिवम पिता हरिओम गुप्ता निवासी पोरसा जिला मुरैना को पकड़ा। आरोपियों से पूछताछ करने पर उक्त होटल में वन एक्सचेंज नेट के माध्यम से एक्सेस लेकर ग्राहकों की इंटरनेट आईडी बनाकर आईपीएल के मैच में सट्टा खिलवाना स्वीकार किया गया। थाना लसूडिया में तीनो आरोपियों के विरुद्ध धारा 3/4 गैंबलिंग एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर अभिरक्षा में लिया गया हैऔर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

वोटिंग के लिए निकलेगी निकलेगी कार रैली

इंदौर । मतदान में भी इंदौर को नंबर वन लाने के लिए शहर में अलग-अलग तरीके के जागरूकता कार्यक्रम शुरू हो गए हैं। इसी कड़ी में रविवार को इंदौर में एक कार रैली निकाली जा रही है, जिसमें केवल महिलाएं ही शामिल होंगी। ये कार रैली नेहरू स्टेडियम से सुबह साढ़े सात बजे से निकाली जाएगी । रजिस्ट्रेशन के बाद महिलाएं इसमें शामिल हो सकती हैं । इस रैली में बेस्ट कार डेकोरेशन फॉर वोटिंग अवेयरनेस देने वाली महिला कार टीम को पुरस्कार भी दिया जाएगा ।

लोकायुक्त की इंदौर इकाई ने सर्वाधिक चालान पेश करने का बनाया रिकॉर्ड

इंदौर। लोकायुक्त की इंदौर इकाई ने पूरे प्रदेश में सर्वाधिक चालान पेश करने का रिकार्ड बनाया है। लंबे समय से लंबित पड़े मामलों को भी निपटाने के लिए तुरंत कार्रवाई की जा रही है। भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध विशेष न्यायालय में लोकायुक्त की इंदौर इकाई ने चालान प्रस्तुत किए हैं, जो अब तक का एक रिकॉर्ड है। लोकायुक्त डीएसपी प्रवीण सिंह बघेल ने बताया कि 2023 में इंदौर इकाई ने 95 चालान प्रस्तुत करने का रिकार्ड बनाया है। उन्होंने बताया कि सहायक आयुक्त आबकारी पराक्रम, खाद्य नियंत्रक अश्विनी नायक के अलावा जिला पंचायत बुरहानपुर के सीओ मिश्रा, डिप्टी डायरेक्टर कृषि धार के नाम शामिल हैं, जिनके द्वारा पद का दुरुपयोग कर संपत्ति अर्जित करने के मामले प्रकाश में आने पर छापामार कार्रवाई की गई थी। इसके अलावा विभाग ने कुछ भ्रष्टाचारियों को भी रिश्वत लेते पकड़ा था, जिनमें शिक्षा विभाग, पंचायत, पुलिस विभाग के कर्मचारी और अधिकारी शामिल हैं।

मूर्धन्य पत्रकार राजेंद्र माथुर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की

इंदौर। देश के मूर्धन्य पत्रकार, इंदौर प्रेस क्लब के संस्थापक और पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र माथुर की पुण्यतिथि पर पलासिया चौराहे स्थित प्रतिमा पर इंदौर प्रेस क्लब पदाधिकारियों और मीडिया के साथियों द्वारा माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। 9 अप्रैल को इंदौर प्रेस क्लब का 62वां स्थापना दिवस और सिटी रिपोर्टिंग के अग्रपुरुष रहे स्व. गोपीकृष्ण गुप्ता का पुण्य स्मरण दिवस भी था। इंदौर प्रेस क्लब में दोनों दिवंगत वरिष्ठ साथियों का स्मरण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर इंदौर प्रेस क्लब के अध्यक्ष अरविंद तिवारी, महासचिव हेमन्त शर्मा, कोषाध्यक्ष संजय त्रिपाठी, कार्यकारिणी सदस्य अभय तिवारी, प्रवीण बरनाले, वरिष्ठ पत्रकार संजीव आचार्य, लक्ष्मीकांत पंडित, जयसिंह रघुवंशी,शैलेंद्र महाजन, पंकज भारती, लोकेन्द्र चौहान, मार्टिन पिंटो, अर्पण जैन, शरद मिश्रा, मोहम्मद अली, सपना मिश्रा, लोकेश पाल, राजेंद्र शिवरे, जीतू शिवरे, नगर निगम से दीपक चिंतामणी सहित मीडिया के साथी उपस्थित थे।

अब वाटर रिचार्जिंग के लिए शहरभर में बोरिंग

जलजमाव वाले क्षेत्रों में रिचार्ज सापफ्ट लगाना शुरू, सौ उद्यानों में और सौ जलजमाव क्षेत्रों में लगाएंगे

इंदौर। शहर के कई क्षेत्रों में जलस्तर लगातार कम होने की शिकायतों के साथ-साथ कई क्षेत्रों में बोरिंग बंद होने के मामले सामने आ रहे हैं। इसी के चलते नगर निगम और कई संस्थाओं ने इसके लिए अभियान शुरू किया है। लोगों को जाग्रत किया जा रहा है, वहीं रहवासी संघों की मदद भी ली जा रही है। इसको लेकर पिछले दिनों बड़ी कार्यशाला का आयोजन भी हुआ था। अब नगर निगम द्वारा पहले दौर में शहर के सौ ऐसे स्थानों का चयन किया गया है, जहां हर बार बारिश का पानी जमा होता है और इस जलजमाव के कारण लोगों की फजीहत भी होती है। इसी के चलते निगम इन स्थानों पर रिचार्ज सापफ्ट लगा रहा है। इस तकनीक के तहत उन क्षेत्रों में एक सुरक्षित स्थान पर बोरिंग कराया जाता है और उस बोरिंग के माध्यम से बारिश का पानी फिर से जमीन में भेजा जाएगा। नगर निगम अधिकारी सुनील गुप्ता और रोहित बोयत के मुताबिक फिलहाल इसके लिए कई बड़ी कंपनियों से मदद लेकर सीएसआर (कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी) के तहत कार्य कराए जा रहे हैं। अब तक शहर भर में बोरिंग इसलिए किए जाते रहे हैं कि ताकि जमीन से पानी हासिल किया जा सके, लेकिन अब निगम द्वारा विभिन्न कंपनियों की मदद से बोरिंग कराकर बारिश का पानी जमीन में भेजा जाएगा।

शुरुआत नवरतनबाग और नेहरू स्टेडियम क्षेत्र से

नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक इस कार्य की शुरुआत नवरतनबाग स्थित वन विभाग की खाली पड़ी जमीन पर की गई है। वहां रिवर्स बोरिंग किया जा रहा है। उक्त क्षेत्र में बारिश के दौरान यहां जलजमाव की स्थिति अफसरों को भी दौड़ लगवाती रही है। इसके साथ ही नेहरू स्टेडियम के समीप जलजमाव वाले क्षेत्रों में भी रिचार्ज साफ्ट लगाया जा रहा है। दोनों स्थानों पर बैंगलुरु की कम्पनी की मदद से कार्य चल रहे हैं और अब इस कार्य को बढ़ाकर शहर के कई हिस्सों में शुरू किए जाने की तैयारी है। नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर जलजमाव वाले क्षेत्रों की सूची बनाने के साथ-साथ अब उन स्थानों पर रिचार्ज साफ्ट (बारिश का पानी बोरिंग कर जमीन में भेजने) की कवायद शुरू हो गई है । सौ से ज्यादा ऐसे स्थान हैं, जहां जलजमाव होता है और सौ उद्यानों में यह कार्य कराए जाने हैं, इसके लिए शुरुआती दौर में कई बड़ी कंपनियों को सहारा लेकर निगम यह काम सीएसआर प्रोजेक्ट के तहत कर रहा है।

एक सिस्टम पर दो लाख का खर्च

सीएसआर प्रोजेक्ट के तहत जलजमाव वाले क्षेत्रों में लगाए जा रहे एक सिस्टम पर दो लाख रुपए का खर्च होता है, क्योंकि इसमें उस क्षेत्र में बोरिंग करने के साथ-साथ उसके लिए तमाम उपकरण भी लगाए जाते हैं, ताकि बारिश का पानी आसानी से जमीन में पहुंचाया जा सके। कुछ स्थानों पर कम्पनी की मदद से तो कुछ स्थानों पर निगम अपने स्तर पर यह कार्य कराएगा। शहरभर में 200 स्थानों पर यह कार्य होना है और आने वाले दिनो में कुछ बड़ी फर्मों को काम सौंपे जाएंगे।

दिल्ली में बिगड़ा एयर इंडिया का विमान, चार घंटे देरी से आया, एयरपोर्ट पर यात्रियों का हंगामा

इंदौर। एयर इंडिया की फ्लाइट से कल शाम दिल्ली से इंदौर आने वाले और इंदौर से मुंबई जाने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। एयर इंडिया का विमान इंदौर आने से पहले दिल्ली में खराब हो गया । इसके चलते सुधार के बाद यह चार घंटे देरी से इंदौर पहुंचा। यह विमान इंदौर से मुंबई जाता है, जिसके लेट होने पर एयरपोर्ट पर यात्रियों ने जमकर हंगामा किया।

विमानतल से मिली जानकारी के मुताबिक एयर इंडिया की फ्लाइट (एआई - 636) दोपहर 2.30 बजे दिल्ली से रवाना होकर शाम 4.05 बजे इंदौर आती है, वहीं इंदौर से यह 4.40 बजे रवाना होकर शाम 6.05 बजे मुंबई पहुंचती है, लेकिन कल इंदौर आने से पहले ही इस विमान में तकनीकी खराबी आ गई। इसके कारण तुरंत दिल्ली एयरपोर्ट पर ही इसका सुधार शुरू किया गया। इस दौरान यात्रियों को एयरपोर्ट टर्मिनल में ही बैठाए रखा गया । सुधार के बाद यह विमान दिल्ली से करीब साढ़े चार घंटे देरी से 6.55 बजे रवाना हुआ और 7.55 बजे इंदौर पहुंचा। यहां से यात्रियों को लेकर 8.45 बजे विमान मुंबई के लिए रवाना हुआ और रात 9.45 बजे मुंबई पहुंचा, वहीं मुंबई जाने के लिए यात्री दोपहर 2 बजे से ही एयरपोर्ट आना शुरू हो गए थे। उन्हें पहले बताया गया कि विमान एक घंटा देरी से आएगा, लेकिन जब काफी देर हो गई तो यात्रियों ने नाराजगी जाहिर करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। एयरलाइंस स्टाफ द्वारा उन्हें शांत करते हुए चाय-नाश्ते का प्रबंध किया। इस दौरान सबसे ज्यादा परेशान वे यात्री हुए, जिनकी मुंबई से आगे की कनेक्टिंग फ्लाइट थी। इससे पहले भी कई बार कंपनी के विमानों में तकनीकी खराबी के कारण उड़ानें लेट हो चुकी हैं।

मोरटक्का पुल से नहीं गुजर सकेंगे 20 टन से ज्यादा वजनी वाहन

पेट्रोल-डीजल परिवहन करने वाले वाहनों को मिलेगी छूट

इंदौर। पिछले साल तेज बारिश से क्षतिग्रस्त हुए मोरटक्का ब्रिज पर 20 टन से ज्यादा वजन वाले भारी वाहन नहीं गुजर सकेंगे। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने एसजीएसआईटीएस के विशेषज्ञों से दशकों पुराने इस पुल की जांच कराई थी, जिसके बाद टीम ने यह रिपोर्ट अथॉरिटी को सौंपी है। आम जनता को राहत देने के लिए पेट्रोल-डीजल का परिवहन करने वाले वाहनों को जरूर इससे छूट दी गई है, लेकिन वे तय दूरी बनाकर एक-एक करके ही मोरटक्का पुल से गुजर सकेंगे।

इंदौर-ऐदलाबाद हाईवे पर नर्मदा नदी के ऊपर यह विशाल टू लेन ब्रिज बना है, जो अपनी उम्र पूरी कर चुका है। पिछले साल हुई बारिश से ब्रिज की स्लैब पर चढ़ी डामर की परत उखड़ गई थी और जालियां बह गई थीं। तब पहले इस ब्रिज से वाहनों की आवाजाही बंद की गई, फिर चार पहिया और बस- ट्रकों को गुजरने की अनुमति दी गई। एनएचएआई ने एसजीएसआईटीएस के विशेषज्ञों से आग्रह कर उनसे ब्रिज का दौरा करवाया था, जिन्होंने पाया कि बाढ़ से ब्रिज के पिलर को तो खास नुकसान नहीं हुआ, लेकिन फिर भी एहतियात बरतना जरूरी है। 20 टन से ज्यादा वजनी वाहनों को पुल से गुजारना सुरक्षित नहीं है। मार्च से क्षेत्रीय पुलिस प्रशासन के साथ इसी व्यवस्था के हिसाब से वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की जा रही है ।

महंगा होने लगा था पेट्रोल- डीजल, इसलिए दी छूट

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मोरटक्का पुल से पेट्रोल-डीजल के आवागमन प्रतिबंधित होने से आसपास के क्षेत्रों में ईंधन महंगा बिकने लगा था। इसका क्षेत्रीय लोग विरोध कर रहे थे। इसी वजह तय किया गया कि पेट्रोल- डीजल का परिवहन करने वाले वाहनों को कुछ शर्तों के साथ गुजारने की अनुमति दी जाए। एक बार में आने या जाने वाला एक ही वाहन गुजरेगा और हर वाहन के बीच 600 मीटर का फासला रहेगा। इससे ब्रिज पर वजन का दबाव नहीं होगा। अब इसी हिसाब से वाहनों को निकाला जा रहा है।

पैसा मिलने पर भी शुरू नहीं किया सड़क सुधार कार्य

इंदौर। शहर की बदहाल सड़कों के सुधार और नई सड़कों के निर्माण के लिए राज्य शासन ने इंदौर नगर निगम को पैसा तो आवंटित कर दिया लेकिन सड़कों के सुधार और नवनिर्माण का काम कब शुरू होगा यह किसी को पता नहीं। ऐसे में नागरिक बदहाल सड़कों से गुजरने को मजबूर हो रहे हैं। इधर नगर निगम के अधिकारियों की मानें तो आचार संहिता के चलते प्रक्रिया अटकी हुई है। इसके चार जून के बाद ही शुरू होने के आसार हैं।राज्य सरकार ने हाल ही में इंदौर की बदहाल सड़कों के लिए करीब 650 करोड़ रुपये की राशि जारी की है। इनमें मास्टर प्लान की अधूरी पड़ी सड़कों का निर्माण भी पूरा करना है और शहर की बदहाल सड़कों की सूरत भी सुधारना है। पैसा जारी होने के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि तुरंत ही काम शुरू हो जाएगा, लेकिन आचार संहिता लागू होने की वजह से ऐसा नहीं हो सका। राज्य सरकार से मिले पैसे से एमआर 5 सहित कई सड़कों के अधूरे काम पूरे किए जाना है। ये सड़कें वर्षों से अधूरी पड़ी है। एमआर 5 का काम तो एक दशक पहले शुरू हुआ था जो अब तक पूरा नहीं हो सका।

सुस्त पड़ा पेचवर्क का कम

आचार संहिता लागू होने से कुछ दिन पहले ही नगर निगम ने सड़कों का पेचवर्क शुरू किया था। इससे नागरिकों को धूल भरी सड़कों से मामूली राहत मिलने भी लगी थी, लेकिन फिलहाल पेचवर्क भी बंद पड़ा है। बताया जा रहा है कि ठेकेदारों को भुगतान नहीं होने की वजह से काम अटका हुआ है। सिर्फ सड़कें ही नहीं शहर में कई प्रोजेक्ट है जो नियमित भुगतान नहीं होने की वजह से अटके पड़े हैं। कुछ दिन पहले तक नगर निगम में कर्मचारियों और अधिकारियों की तनख्वाह भी माह के दूसरे और तीसरे सप्ताह में जारी हो रही थी।

वोट के लिए वॉकेथॉन करेंगी महिलाएं

इंदौर । मतदान के लिए मदर्स-डे पर एक वॉकथॉन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें महिलाएं अपने बच्चों के साथ भाग लेंगी। इसके लिए भी रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिए गए है। ये आयोजन 5 मई को सुबह 7 बजे से नेहरू स्टेडियम से होगा। द वर्ल्ड ऑफ फिटनेस इसका आयोजन करेगा, जिसके लिए विभिन्न संस्थाओं, संगठनों और एनजीओ से भी संपर्क किया जा रहा है, ताकि इसे यादगार बनाया जा सके। ये वॉकेथॉन 3 किलोमीटर की होगी, जिसके बाद प्रतिभागियों को मेडल और सर्टिफिकेट भी दिए जाएंगे।

हाई कोर्ट ने खारिज की याचिका, नहीं मिली धर्म सभा की अनुमति

इंदौर। क्रिश्चियन मिशनरी को आज 10 अप्रैल को अभय प्रशाल में धर्मसभा आयोजित करने की अनुमति नहीं मिली। संस्था ने यह कहते हुए हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी कि आयोजन धार्मिक है और प्रशासन ने पूर्व में इसकी अनुमति दे दी थी, लेकिन बाद में बगैर किसी कारण के इसे वापस ले लिया।आयोजन के लिए तैयारी पूरी कर चुके हैं।प्रशासन की तरफ से याचिका का विरोध करते हुए बताया गया कि संस्था को 27 शर्तों के साथ अनुमति दी गई थी। वर्तमान में आचार संहिता लागू है। ऐसे आयोजनों से कानून व्यवस्था बिगड़ने की आशंका है। यही वजह है कि प्रशासन ने पूर्व में दी गई अनुमति वापस ले ली है। हिंदू महासभा ने याचिका में इंटर विनर बनकर अनुमति देने का विरोध किया था। सभी पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने मिशनरी की याचिका यह कहते हुए निरस्त कर दी कि वह चाहे तो चुनाव के बाद नए सिरे से अनुमति के लिए प्रशासन के समक्ष आवेदन कर सकते हैं।

निर्वाचन के दौरान इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट, सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले विज्ञापनों, समाचारों और पेड न्यूज़ पर रखी जायेगी निगरानी

- मीडिया मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ की स्थापना
- मीडिया की एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार इंदौर जिले में मीडिया मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। इस प्रकोष्ठ के माध्यम से निर्वाचन के दौरान इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट, सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले विज्ञापनों, समाचारों और पेड न्यूज पर सतत निगरानी रखी जायेगी।

इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट, सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले विज्ञापनों के लिये पूर्व अनुमति लेना होगी। प्रिंट मीडिया के संबंध में मतदान प्रारंभ होने के 48 घंटे पहले तक की अवधि में प्रकाशित होने वाले विज्ञापनों के लिए पूर्व अनुमति ली जाना होगी। यह जानकारी आज यहां कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई मीडिया संस्थान के संचालकों/प्रतिनिधियों की एक दिवसीय कार्यशाला में दी गई। कार्यशाला में सिनेमाघरों और एफ.एम. रेडियो के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। इस कार्यशाला में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, मीडिया मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी तथा संयुक्त संचालक जनसंपर्क डॉ. आर.आर. पटेल एवं प्रिंट तथा इलेक्ट्रानिक मीडिया से जुड़े संस्थानों के संचालक/प्रतिनिधि मौजूद थे।

कार्यशाला में निर्वाचन के दौरान विज्ञापनों, समाचारों और पेड न्यूज पर सतत निगरानी रखने के लिये की गई व्यवस्थाओं संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही इस संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों, नियम आदि के संबंध में भी बताया गया। सभी से कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने अपेक्षा की कि वे स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचन के लिये उक्त संबंध में जारी दिशा-निर्देशों नियम आदि का पालन करें। उन्होंने सभी मीडिया से जुड़े प्रतिनिधियों से अपील की कि वे जिले में अधिक से अधिक मतदान के लिए मतदाताओं को प्रेरित करने के लिये अपने-अपने स्तर पर प्रयास करें। उन्होंने इस संबंध में चलाये जा रहे स्वीप अभियान की जानकारी दी और अभियान में सहभागी बनने का आव्हान किया। उन्होंने जिले में स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचन कराये जाने के संबंध में की गई व्यवस्थाओं के बारे में भी बताया। उन्होंने बताया कि निर्वाचन संबंधी शिकायतों को प्राप्त करने तथा उनके निराकरण के लिये कलेक्टर कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाया गया है। इस कंट्रोल रूम में ऑनलाइन सी विजिल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का भी निराकरण किया जा रहा हैं।

इस अवसर पर बताया गया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 की आदर्श आचरण संहिता लागू है। लोकसभा निर्वाचन के दौरान पेड न्यूज संबंधी मामलों, प्रिंट मीडिया में प्रकाशित एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया चैनल में प्रसारित खबरों की 24 घंटे सतत मॉनिटरिंग/रिकॉर्डिंग की व्यवस्था की गई है। न्यूज़ मॉनिटरिंग, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग, मीडिया सर्टिफिकेशन एवं पेड न्यूज के मामलों सहित अन्य सभी कार्यों के लिये अलग-अलग दल गठित कर उनके प्रभारी नियुक्त किये गये हैं। इस प्रकोष्ठ में जनसम्पर्क विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों सहित विषय विशेषज्ञों की टीम लगाई गई हैं। टीम में देवी अहिल्या विश्व विद्यालय के प्रोफेसरों, विभिन्न विभागों के इंजीनियरों, अन्य अधिकारी-कर्मचारियों, विशेषज्ञों सहित लगभग 70 लोगों की सेवाएं ली जा रही हैं। प्रकोष्ठ की टीमों द्वारा तीन पारियों में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया की खबरों की सतत निगरानी की जायेगी। यह कार्य प्रतिदिन तीन पारियों में सुबह 6 से दोपहर 2 बजे तक, दोपहर 2 से रात्रि 10 बजे तक और रात्रि 10 से अगले दिन सुबह 6 बजे तक निरंतर किया जायेगा। समाचार पत्र, पत्रिकाओं में प्रकाशित समाचारों एवं मीडिया रिपोर्ट्स की निगरानी एवं कतरनों के संधारण कार्य के लिए भी अलग टीम सुबह 6 से शाम 6 बजे तक कार्य करेगी।

रतलाम मंडल ने चलाया वर्ष भर विशेष अभियान : बिना टिकट यात्रियों से वसूले 21.70 करोड़ रुपए

पैसेंजर से लेकर होलिडे स्पेशल तक में बिना टिकट यात्रा करते है यात्रि

इंदौर। रतलाम मंडल ने वित्त वर्ष 2023 2024 के दौरान रेल गाड़ियों में विशेष चेकिंग अभियान चलाकर यात्रियों को पकड़ा है । वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर पैसेंजर , एक्सप्रेस,और हॉलीडे गाड़ियों में रेलवे कर्मचारियों ने कई यात्रियों को बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़ा और उनसे दंड वसूला है।

इंदौर रेल पीआरओ खेमराज मीना के अनुसार रतलाम मंडल ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान गहन टिकट जांच अभियानों से जुर्माने के रूप में 21.70 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व वसूल किया है। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल पर सभी वैध यात्रियों को आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए मेल/एक्सप्रेस के साथ-साथ पैसेंजर ट्रेनों और हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों में बिना टिकट/अनियमित यात्रियों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार गहन टिकट जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के मंडल रेल प्रबंधक के मार्गदर्शन में तथा वरिष्ठ वाणिज?य अधिकारियों के निर्देशन में अत्यधिक अनुभवी टिकट जांच टीम द्वारा अप्रैल, 2023 से मार्च, 2024 तक कई टिकट जांच अभियान चलाए गए, जिससे 21.70 करोड़ रुपये राजस्व की प्राप्ति की गई। वर्ष 2023-24 में टिकट चेकिंग से प्राप्त राजस्व इस वर्ष के लक्ष्य 20.82 करोड़ रुपये से 4.21 प्रतिशत तथा पिछले वर्ष के टिकट चेकिंग राजस?व से 11.89 प्रतिशत अधिक है। मार्च, 2024 के दौरान बिना टिकट जांच अभियान में कुल 2.57 करोड़ रुपये की राशि वसूल की गई जो इस वर्ष की अवधि में एक महीने में सर्वाधिक राजस्व है। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल आम जनता से हमेशा उचित और वैध टिकट के साथ यात्रा करने की अपील करता है।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, बुधवार 10 अप्रैल, 2024

संपादकीय | आपराधिक घटनाओं को सियासी रंग देना घातक

पश्चिम बंगाल में आपराधिक घटनाओं को अक्सर राजनीतिक रंग दे दिया जाता है। अब तो ऐसी घटनाओं की जांच करने वालों पर हमले की संस्कृति भी विकसित हो चली है। इसका ताजा उदाहरण राष्ट्रीय जांच एजंसी यानी एनआइए के दल पर स्थानीय लोगों का हमला है। दो महीने पहले इसी तरह संदेशखाली में प्रवर्तन निदेशालय के जांच दल पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया था।

ताजा घटना मिदनापुर जिले के भूपतिनगर की है। दरअसल, एनआइए कर्मी करीब सवा साल पहले वहां हुए एक बम विस्फोट के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने गए थे। तभी स्थानीय लोगों ने उन पर हमला कर दिया। जांच दल की गाड़ियों के कांच टूट गए। इस घटना पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि जांच दल को रात में वहां जाने की क्या जरूरत थी।

क्या उन्हें यह पता नहीं था कि रात के अंधेरे में गांव वाले अनजान लोगों को देख कर हमलावर हो सकते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि पता नहीं, एनआइए ने स्थानीय पुलिस से सहयोग लिया था या नहीं। जबकि एनआइए अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने स्थानीय पुलिस से सहयोग मांगा था, पर उसका रवैया सहयोगात्मक नहीं था।

ममता बनर्जी ने पूछा है कि चुनाव के वक्त में इस तरह गिरफ्तारियां करने की आखिर वजह क्या है। बता दें कि एनआइए जिस व्यक्ति को गिरफ्तार करने गई थी, वह तृणमूल कांग्रेस का नेता है। अब ममता बनर्जी इस घटना को भाजपा के उकसावे पर की गई कार्रवाई बता रही हैं। यह पहली बार नहीं है जब ममता बनर्जी इस तरह अपने किसी नेता या

कार्यकर्ता के पक्ष में सीधे मैदान में कूद पड़ी हैं। वे तो एक बार अपने कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के विरोध में सीधे थाने में पहुंच गई थीं। राज्य के पुलिस अधीक्षक की अनियमितताओं के खिलाफ जब सीबीआइ ने पूछताछ की कोशिश की थी, तब भी वे धरने पर बैठ गई थीं। चुनावी हिंसा के मामलों में भी वे अक्सर अपने कार्यकर्ताओं का बचाव और भाजपा कार्यकर्ताओं के उपद्रव पर तल्खबयानी करती रही हैं।

यह ठीक है कि भाजपा और तृणमूल के बीच सियासी रस्साकशी चलती रहती है और यह अक्सर केंद्र-राज्य संबंधों में टकराव बन कर भी उभरती है, मगर क्या हर आपराधिक घटना को सियासी रंग दे देने से राज्य की कानून-व्यवस्था प्रभावित नहीं होती ! आखिर कानून-व्यवस्था की जवाबदेही राज्य सरकार की है।

बम विस्फोट के जिस मामले में एनआइए जांच कर रही है, उसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी। यह राज्य सरकार की भी चिंता का विषय होना चाहिए कि जिस घर में विस्फोट हुआ, वहां इतना ताकतवर बम पहुंचा कैसे और उसका किस मकसद से इस्तेमाल किया जाना था। आपराधिक घटनाओं को सियासी रंग दे देने का नतीजा यह होता है कि राजनीतिक दलों के बीच हिंसा और प्रतिहिंसा का दौर लगातार चलता रहता है। इसे लेकर पश्चिम बंगाल पर लंबे समय से अंगुलियां उठती रही हैं।

चुनाव के दौरान तो व्यापक हिंसा देखी जाती है। इस समय आमचुनाव का माहौल है और ममता बनर्जी अगर एनआइए जांच में सहयोग करने के बजाय इसके पीछे भाजपा का हाथ बता रही हैं, जो जाहिर है, उनके कार्यकर्ताओं को एक तरह से उकसावा ही मिलेगा। इस तरह हिंसा के बल पर कोई राजनीतिक दल अपना आधार बेशक कुछ मजबूत बना ले, पर राज्य की कानून-व्यवस्था कमजोर ही होगी।

चेटीचंड पर्व के अवसर पर

सिंधु दर्शन में छीन ली गई सिंधियों की पहचान

राष्ट्रगान से भी सिंध हटाने का हुआ था प्रयास

हरनाम सिंह

देश विभाजन के दौरान सिंधियों ने केवल अपने मकान, दुकान, खेत-खलिहान, जमीन- जायदाद, भाषा- भूषा संपूर्ण संस्कृतिक विरासत ही नहीं अपनी पवित्र नदी सिंधु से भी महरुम होना पड़ा था। आजाद भारत में सिंधियों को ऐसा कोई भू-भाग नहीं मिला जिसे वे अपना प्रांत कह सके। इसके कारण भारत में सिंधियों की कोई एकीकृत धार्मिक ,सांस्कृतिक पहचान सुनिश्चित नहीं हो सकी। अपने जीवन मूल्यों के लिए संघर्षरत सिंधी राजनीतिक खेमों में बंटे हैं। उनकी आबादी चुनावी परिणामों को प्रभावित नहीं करती। इसलिए आए दिनों सिंधी अस्मिता से खिलवाड़ होता रहा है।

27 वर्ष पहले सिंधु नदी के उद्गम स्थल को खोज कर उसे सिंधियों की पहचान के साथ स्थापित किया गया था। जम्मू कश्मीर राज्य के लद्दाख जनपद के लेह में प्रतिवर्ष जून माह की पूर्णिमा से तीन दिवसीय धार्मिक, सांस्कृतिक आयोजन प्रारंभ किया गया था। सिंधु नदी के तट पर पल्लह (प्रार्थना) गायी जाने लगी। झूलेलाल का बहराणा साहब का जुलूस निकाला गया। सिंधियों ने वे सब गतिविधियां प्रारंभ की जो विभाजन के पूर्व उनके पुरखे करते थे। प्रयास किया गया कि दिन- प्रतिदिन सूखती सिंधी संस्कृति की बेल को सिंधु जल से सींचा जा सके। वर्तमान में सिंधु उद्गम स्थल तक सिंधु दर्शन यात्रा तो होती है लेकिन सरकारों ने सिंधियों के इस राष्ट्रीय उत्सव को देश की बहुआयामी संस्कृतिक पहचान, सांप्रदायिक सद्भाव, शांतिपूर्ण सह अस्तित्व से जोड़कर देश के विभिन्न राज्यों से कलाकार बुलाकर इस पर्व को सिंधियों से छीन लिया है। देश के सिंधी सोच रहे हैं उनका महोत्सव कब से सांप्रदायिक सद्भाव, शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के लिए खतरा था। सिंधियों के इस पर्व को बहुआयामी संस्कृति से जोड़कर सिंधियों को मिले स्पेस को सीमित कर दिया गया है। राजनीतिक दायरे में अपनी संस्कृति को बचाने के प्रयास नहीं किए गए हैं। जब तक सिंधी अपने वोट की कीमत पहचान कर उसे सिंधियत की पहचान के साथ नहीं जोड़ेगा तब तक उन पर बहुत संख्यकवाद का खतरा बना रहेगा।

जम्मू कश्मीर के लद्दाख जनपद के लेह में प्रतिवर्ष जून माह की पूर्णिमा से तीन दिवसीय आयोजन होता है। वर्ष 1996 में लालकृष्ण आडवाणी एवं पत्रकार तरुण विजय ने लेह में सिंधु नदी के उस टुकड़े की खोज की थी जो हिंदुस्तान की सीमा में है। शेष सिंधु नदी पाकिस्तान में प्रवाहित होती है। उस काल में यह सोचा गया था की सिंधु नदी भारत देश की पहचान से जुड़ी है यह स्थल विशेष रूप से सिंधी हिंदुओं के लिए तीर्थ स्थल के रूप में विकसित हो सकेगा।

1997 में से प्रारंभ पहली यात्रा में स्वयं आडवाणी जी शामिल हुए देश-विदेश से अनेक सिंधी प्रतिवर्ष इस आयोजन में शामिल होने के लिए आते रहे हैं। वर्तमान में ÷ सिंधु दर्शन ÷ यात्रा में तमिलनाडु से लेकर त्रिपुरा तक के पर्यटक और कलाकार आते हैं, उनके लिए तो यह स्थल केवल दर्शनीय पर्यटन स्थल है, ना कि उनकी सांस्कृतिक पहचान से जुड़ी कोई स्मृति है। लेह में तीन दिवसीय आयोजन में पंजाब का भांगड़ा होता है असम का बिहू नृत्य भी। सिंधी भाषा में गीत संगीत बस नाम मात्र के ही रह गये हैं। यह यात्रा सिंधियों ने इस लक्ष्य को लेकर प्रारंभ की थी की डूबती सिंधी संस्कृति को तिनके का सहारा मिल सके। परंतु शासकों को वह भी रास नहीं आया।

सिंधी संस्कृति के अन्वेषक विद्वान लेखक इंदौर निवासी संजय वर्मा के अनुसार सांस्कृतिक एकता के नाम पर हर साल लेह और लद्दाख में कार्यक्रम होते ही हैं। क्या यह बेहतर न होता की ÷सिंधु दर्शन यात्रा÷ केवल सिंधी भाषियों के लिए ही सुरक्षित रखी जाती। देश विभाजन के शिकार बंगाल और पंजाब को आजाद भारत में राज्य मिला, सिंधियों को कुछ भी नहीं मिल पाया। विडंबना है कि 8 हजार साल पुरानी संस्कृति की विरासत से आजाद भारत में सिंधियों को ऐसा कुछ नहीं मिला है जिसके वे हकदार हैं। गत वर्ष मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सिंधु दर्शन यात्रा के लिए 25 हजार रुपए अनुदान देने की घोषणा की थी। वर्तमान सरकार उनके इस वादे को पूरा करेगी इसका इंतजार है।

राष्ट्रगीत से सिंधु हटाने का षड्यंत्र

सेवानिवृत प्रोफेसर श्रीकांत मालशते ने वर्ष 2011 में मुंबई हाई कोर्ट में एक याचिका दायर कर राष्ट्रगान से सिंध शब्द हटाने की मांग की थी। जिसे न्यायालय ने खारिज कर दिया। केंद्र सरकार ने न्यायालय में हलफनामा दायर कर बताया था कि 1917 में जब राष्ट्रगान की रचना हुई थी तब उसमें सिंधु शब्द इसलिए जोड़ा गया था कि तब सिंध भारत का हिस्सा था। वर्ष 2018 में राज्यसभा में भी राष्ट्रगान से सिंध शब्द हटाने का बिल सांसद रिपुन बोरा ने पेश किया था। उन्होंने सिंध के स्थान पर ÷उत्तर पूर्व÷ शब्द जोड़ने की मांग की थी। शिवसेना ने भी 2016 में राष्ट्रगान से सिंधु शब्द हटाने की का प्रस्ताव रखा था। ऐसी ही मांग भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने भी प्रधानमंत्री के नाम लिखे पत्र में की है।

इस मांग का विरोध सिंधी नेताओं ने किया है। वर्ल्ड सिंधी कांग्रेस के महासचिव लखु लुहाना ने कहा कि हिंद शब्द कहीं और से नहीं सिंध से ही आया है। सिंधु घाटी की सभ्यता पूरे भारत की सभ्यता का आधार है। कोई भी समझदार राष्ट्र अपनी सभ्यता के आधार को नहीं हटाएगा। आए दिनों सिंधु संस्कृति और पहचान पर हमले होते रहे हैं।इन षड्यंत्रों से सजग रहने की जरूरत है।

राजवाड़ा-2-रेसीडेंसी

बात यहां से शुरू करते हैं...

उमंग के बगावती तेवर और नतमस्तक दिल्ली दरबार

अरविंद तिवारी

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के बीच नई पारी की शुरुआत में तो बहुत अच्छा तालमेल था, लेकिन महीने-दो महीने बाद ही बात बिगड़ने लगी। बिगड़ी भी थोड़ी बहुत नहीं, इतनी ज्यादा कि दोनों के रास्ते अलग-अलग हो गए। लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन में जब उमंग को लगा कि उन्हें गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है, तो उन्होंने अलग ही रंग दिखाया और दिल्ली दरबार को चेताते हुए कह दिया कि यदि सबकुछ पटवारी के मुताबिक ही करना है तो फिर मैं अपने समर्थक डेढ़ दर्जन विधायकों के साथ पार्टी ही छोड़ देता हूं। उमंग की इस धमकी का असर कांग्रेस की अंतिम सूची में देखा जा सकता है।

मोहन यादव के मूवमेंट में दिखने लगी है शिवराज की झलक

जिस अंदाज में डॉ. मोहन यादव का मूवमेंट हो रहा है, लोगों को उनमें पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की झलक दिखने लगी है। जितना एक्टिव और मूवमेंट में शिवराज रहते थे, फिलहाल डॉ. यादव उसके आसपास तो आ गए हैं। मंच पर जो अंदाज शिवराज का रहता था, लगभग वैसा ही उनके उत्तराधिकारी का भी है। अफसरों को लेकर शिवराज जैसे तीखे तेवर डॉ. यादव भी दिखाने लगे हैं। पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच नए मुख्यमंत्री पुरानों की तुलना में ज्यादा सक्रियता दिखा रहे हैं। हां, बहनों के बीच जरूर अभी भी शिवराज की लोकप्रियता नए सरकार से ज्यादा है। सरकारी कामकाज की बात करें तो वर्तमान और पूर्व से ज्यादा कमलनाथ की पकड़ रही है।

कमलनाथ के गढ़ में कैलाश विजयवर्गीय की सेंधमारी

विरोधी दल के बड़े से बड़े नेता की हवा निकालने में कैलाश विजयवर्गीय की कोई जोड़ नहीं है। इन दिनों कमलनाथ उनके टारगेट पर हैं और महाकौशल के प्रभारी के नाते विजयवर्गीय जिस तरह से छिंदवाड़ा को टारगेट किए हुए हैं, उसने नाथ खेमे की परेशानी बढ़ा रखी है। कार्यकर्ताओं के बीच वे जिस अंदाज में कमलनाथ पर बरसते हैं और नकुलनाथ को निशाने पर लेते हैं, उसकी छिंदवाड़ा से लेकर दिल्ली तक चर्चा है। नाथ के कई कट्टर समर्थकों को विजयवर्गीय भाजपा में ला चुके हैं और जो नहीं आए हैं, उन्हें नाथ की नजरों में तो विलेन ही बना दिया है। सालों पहले विजयवर्गीय इसी अंदाज में ज्योतिरादित्य सिंधिया पर बरसते थे।

आखिर काम आ गया अरुण यादव का मास्टर स्ट्रोक

ज्योतिरादित्य सिंधिया के खिलाफ गुना से चुनाव लड़ने की बात कहकर अरुण यादव चर्चा में तो आ ही गए थे। विरोधियों ने यह मौका उनके हाथ नहीं लगने दिया और पूरी ताकत इस बात में लगा दी कि वे एक बार फिर खंडवा से चुनाव लड़ें। अरुण को नतीजे का अहसास था। उन्होंने पूरी ताकत इस बात में लगा दी कि किसी भी हालत में पार्टी उन्हें खंडवा से टिकट न दे। दिल्ली दरबार से कहा कि कमलनाथ छिंदवाड़ा से बाहर निकल नहीं पा रहे हैं, दिग्विजय सिंह राजगढ़ में उलझे हैं, कांतिलाल भूरिया झाबुआ से चुनाव लड़ रहे हैं, सुरेश पचोरी पार्टी छोड़कर चले गए। ऐसे में पूरे प्रदेश में घूमने वाले तो हम दो-चार नेता ही हैं। ऊपर वालों को बात जच गई और अरुण का मकसद भी पूरा हो गया। इसी को कहते हैं मास्टर स्ट्रोक।

अभी भी बरकरार है प्रमोद झा का जलवा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भले ही एक जमाने में इंदौर में संघ के विभाग प्रचारक रहे प्रमोद झा से दूरी बना ली हो, लेकिन झा का जलवा अभी भी बरकरार है। पिछले दिनों उनके द्वारा आयोजित फाग उत्सव में जिस तरह से भाजपा और संघ से जुड़े दिग्गज पहुंचे, उससे यह तो साफ हो गया कि संबंध निभाने में झा का कोई सानी नहीं है। इस कार्यक्रम में बाबा नीम करोली के पौत्र भी उन्हें आशीर्वाद देने पहुंचे। खासियत यह रही है कि जहां संघ को युवाओं के बीच नेटवर्क मजबूत करने में खासी मशक्कत करना पड़ रही है, वहीं इस कार्यक्रम में सारे सूत्र युवाओं के हाथों में थे और उनकी उपस्थिति भी अच्छी खासी रही।

मुख्य सचिव की टेढ़ी नजर और परेशान मनीष रस्तोगी

मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव राघवेंद्र सिंह की सदाश्यता के चलते भले ही मुख्यमंत्री सचिवालय से आधी रात को बेदखल किए गए मनीष रस्तोगी मंत्रालय में अहम भूमिका में आ गए हो लेकिन मुख्य सचिव वीर राणा की वक्र दृष्टि ने उन्हें परेशान कर रखा है। अपने सहयोगियों और अन्य अफसरों से जिस तरह का बर्ताव रस्तोगी करते हैं उसके बाद अब मुख्य सचिव भी उनसे इसी अंदाज में पेश आने लगी हैं। चौंकाने वाली बात तो यह है कि मुख्य सचिव रस्तोगी से मिलना भी पसंद नहीं कर रही हैं और उनकी नाराजगी रस्तोगी द्वारा आगे बढ़ाई जाने वाली फाइलों पर भी दिखने लगी है।

चलते-चलते

पुलिस के बड़े पदों पर जैसे ही पोस्टिंग की बात आती है, उज्जैन के एक शख्स का नाम सबकी जुबां पर आ जाता है। एक नहीं कई तबादला सूची में इनकी दखल का असर देखने को मिल चुका है और इसी के बाद इनसे मिलने के इच्छुक अफसरों की संख्या बढ़ती जा रही है। यह शख्स संघ परिवार से नजदीक का रिश्ता रखने वाले उज्जैन के ही एक दिग्गज के परिवार से है।

पुछल्ला

इंदौर नगर निगम के कमिश्नर शिवम वर्मा और भोपाल के निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण की मैदानी सक्रियता इन दोनों प्रशासनिक हलकों में चर्चा का विषय है। दोनों अफसरों का अपने महापौर से अच्छा समन्वय और मातहत अमले से भी अच्छा तालमेल है। सरल और सौम्य इन दोनों अफसरों को प्रशासन और पुलिस की भी दोनों को पूरी मदद मिल रही है।

बात मीडिया की

-वरिष्ठ पत्रकार प्रीति मल्होत्रा ने सिटी भास्कर के नेशनल हेड पद से त्यागपत्र दे दिया है। वे पहले इंदौर में भी सिटी भास्कर की टीम को लीड कर चुकी हैं।
-दैनिक भास्कर इंदौर के संपादक रहे मुकेश माथुर, जो वर्तमान में राजस्थान के स्टेट हेड हैं, को अब मैनेजमेंट ने बड़ी जिम्मेदारी दी है। वे अब दैनिक भास्कर के राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के स्टेट हेड (इमर्जिंग मार्केट) की भूमिका में रहेंगे।
-वरिष्ठ पत्रकार पंकज मुकाती ने द सूत्र को अलविदा कह दिया है। उनकी यहां की पारी बहुत छोटी रही। इन दिनों वे एक-दो न्यूज चैनल और अखबारों के लिए सलाहकार की भूमिका में हैं।
-लंबे समय से फ्री प्रेस में सिटी चीफ की भूमिका निभा रहे वरिष्ठ पत्रकार अतुल गौतम को पदोन्नति देते हुए प्रबंधन ने उन्हें मालवा-निमाड़ की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी सौंपी है।
-कमोडिटी रिपोर्टिंग में महारत रखने वाले वरिष्ठ पत्रकार बहादुर सिंह गेहलोत अब टीम दैनिक भास्कर का हिस्सा नहीं रहे हैं। वे सालों तक नईदुनिया में भी व्यापार पेज का दायित्व संभाल चुके हैं।
-सीनियर रिपोर्टर लवीन ओव्हाल अब दैनिक भास्कर में कमोडिटी और कॉर्पोरेट सेक्टर की रिपोर्टिंग करेंगे।
-टीवी पत्रकारिता में अलग पहचान रखने वाले पुनीत विजयवर्गीय अब विस्तार न्यूज के इंदौर ब्यूरो प्रमुख हो गए हैं।

शॉपिंग मॉल, पेट्रोल पम्प से लेकर कंट्रोल दुकानों तक मतदान प्रतिशत बढ़ाने का चलेगा अभियान

अवकाश की घोषणा भी आयोग ने कर दी, रंगोली, मेहंदी के साथ वाद-विवाद प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक भी, बूथ लेवल अवेयरनेस ग्रुपों का भी गठन

इंदौर। इन दिनों मतदाताओं को जागरूक करने का अभियान लगातार चलाया जा रहा है। रंगोली, मेहंदी से लेकर शॉपिंग मॉल, पेट्रोल पम्प, कंट्रोल दुकानों के जरिए भी मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं, तो सामान्य प्रशासन विभाग ने मतदान दिवस पर सार्वजनिक अवकाश की सूचना भी जारी कर दी और बूथ लेवल, अवेयरनेस ग्रुपों का गठन भी किया गया है। गांव-गांव में महिलाओं को भी मतदान का महत्व बताया जा रहा है, तो शैक्षणिक संस्थाओं में युवाओं की भागीदारी के साथ जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। जगह- जगह सेल्फी पाइंट भी बनाए गए और मतदान की शपथ दिलाई जा रही है।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश अनुसार मतदाताओं को मताधिकार के संबंध में जागरूक करने, अधिकतम मतदान प्रतिशत सुनिश्चित करने एवं नैतिक मतदान के लिये शिक्षित करने के उद्देश्य से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायत एवं शासकीय विभागों द्वारा स्वीप गतिविधियाँ आयोजित की जा रही है । जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन द्वारा जनपद पंचायत सांवेर के ग्राम अलवासा एवं पालिया में मतदाता जागरूकता अभियान में सहभागिता की गई । मतदाताओं से सम्पर्क कर अधिकतम मतदान की रणनीति बनाने के लिये निर्वाचन आयोग द्वारा बूथ लेवल अवेयरनेस ग्रुप बीएलओ की अध्यक्षता में गठित कराये गये है। सिद्धार्थ जैन ने ग्राम पालिया में बूथ लेवल अवेयरनेस ग्रुप के ग्राम स्तरीय कर्मचारियों से चर्चा कर बैग टीम द्वारा क्षेत्र में मतदान की तैयारी पर चर्चा की गई। जैन ने बीएलओ को प्रत्येक बस्ती एवं मोहल्लों में मतदाताओं से सम्पर्क कर उन्हें मतदान हेतु प्रेरित करने के निर्देश दिये गये। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत जैन द्वारा उपस्थितजनों को मतदान जागरूकता की शपथ भी दिलाई गई।

पेम्पलेट्स, पोस्टर, पर्चे आदि प्रिंट सामग्री पर मुद्रक एवं प्रकाशक का नाम और पता होना जरूरी

उल्लंघन पाए जाने पर की जाएगी कार्यवाही

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशानुसार पेम्प्लेट्स, पोस्टर्स, पर्चे आदि प्रचार अथवा प्रिंट सामग्री पर मुद्रक एवं प्रकाशक का नाम और पता लिखा जाना अनिवार्य होगा। प्रकाशित सामग्री की प्रतियां निर्वाचन कार्यालय में भी जमा की जाना होगी। प्रिंट सामग्री में संख्या भी अंकित करना होगी। उल्लघंन पाये जाने पर संबंधितों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। इसमें 06 माह तक का कारावास, 2 हजार रुपये तक का जुर्माना अथवा दोनों से दंडित किये जाने का प्रावधान है।

यह जानकारी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई प्रकाशकों एवं मुद्रकों की बैठक/प्रशिक्षण में दी गई। इस अवसर पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा-127 (क)और भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में जारी किये गये दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई। बैठक में निर्देश दिये गये कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा-127 (क) और भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशों को अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित किया जाये। पालन नहीं होने पर संबंधितों के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। शुचितापूर्ण निर्वाचन के लिए यह अनिवार्य है कि सभी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रिंट एवं प्रचार सामग्री में मुद्रक एवं प्रकाशक का नाम, पता, प्रसारित की जाने वाली सामग्री की संख्या अनिवार्य रूप से अंकित करें। प्रकाशित सामग्री की प्रतियां जिला निर्वाचन कार्यालय तथा व्यय लेखा शाखा में जमा करना जरूरी होगा। मुद्रित एवं प्रकाशित सामग्री के आधार पर खर्चा प्रत्याशी के व्यय लेखा में जोड़ा जायेगा। कोई भी प्रकाशक एवं मुद्रक ऐसी सामग्री प्रकाशित नहीं करें जिससे कि आचार संहिता का उल्लघंन होता हो। समाज में घृणा फैलाने, धार्मिक भावनाओं को भड़काने सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री किसी भी हाल में प्रकाशित नहीं की जाये। निर्धारित प्रारूप में जिला निर्वाचन कार्यालय को जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिये गये।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सद्भावना पाती
शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमे उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सदभावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एपकरें, कॉल न करें।
व्हाट्स ऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

रियल एस्टेट सेक्टर ने 10 सालों में खोला 3 करोड़ से अधिक नौकरियों का पिटारा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में मिलने वाला कुल रोजगार पिछले कैलेंडर वर्ष में बढ़कर 7.1 करोड़ हो गया, जबकि 2013 में यह आंकड़ा चार करोड़ था। रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक और उद्योग निकाय नारेडको ने अपनी संयुक्त रिपोर्ट में कहा कि इस तरह पिछले 10 साल में उद्योग ने तीन करोड़ से अधिक नई नौकरियां दीं। रिपोर्ट के अनुसार, नरेन्द्र मोदी सरकार के कई नीतिगत सुधारों से समर्थन पाकर आवास क्षेत्र ने स्वस्थ वृद्धि दर्ज की, जिसके चलते रोगजार के मौके भी तेजी से बढ़े। एनारॉक-नारेडको की सोमवार को जारी रिपोर्ट 'रियल एस्टेट अनबॉक्स्ड- द मोदी इफेक्ट में कहा गया कि भारत के आवासीय रियल एस्टेट बाजार को मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के कई सुधारों से काफी फायदा हुआ है। इन सुधारों से उद्योग को मजबूत होकर उभरने और नयी ऊंचाइयां छूने में मदद मिली। देश के कुल कार्यबल में रियल एस्टेट क्षेत्र की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत से अधिक है। भारत के शीर्ष सात प्राथमिक आवास बाजारों में 2014 और 2023 के बीच कुल 29.32 लाख इकाइयां तैयार हुईं और 28.27 लाख इकाइयों की बिक्री हुई। नारेडको के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी हरि बाबू ने कहा कि रियल एस्टेट विनियमन और विकास अधिनियम (रेरा), माल तथा सेवा कर (जीएसटी), और प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) जैसी विभिन्न योजनाओं के जरिये सरकार ने पिछले 10 वर्षों में रियल एस्टेट क्षेत्र को मजबूती दी। एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा कि शीर्ष सात बाजारों - दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगरीय क्षेत्र (एमएमआर), कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे में घरों की मांग और कीमतों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई।

कंपनी कर रही स्टॉक स्प्लिट का प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। कंपनी के बोर्ड ने स्टॉक स्प्लिट योजना पर विचार करने का ऐलान किया तो प्रीमियर एक्सप्लोसिव्स के शेयरों को खरीदने के लिए निवेशक टूट पड़े। शेयर 16 फीसद से अधिक उछलकर 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 1996.80 रुपये पर पहुंच गया। प्रीमियर एक्सप्लोसिव्स का शेयर मूल्य 9 अप्रैल को 1770 रुपये पर खुलकर 1996.80 रुपये पर पहुंच गए। दोपहर दो बजे के करीब 16 फीसद ऊपर 1960 रुपये के आसपास ट्रेड कर रहे थे। कंपनी के इक्विटी शेयरों के फेस वैल्यू में स्प्लिट के प्रस्ताव पर विचार करने और मंजूरी देने के लिए प्रीमियर एक्सप्लोसिव्स के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक शुक्रवार, 19 अप्रैल को होने वाली है। बोर्ड पब्लिक इश्यू, प्रिफरेबल इश्यू निर्गम, प्राइवेट प्लेसमेंट (एक या अधिक योग्य संस्थागत प्लेसमेंट सहित), या किसी अन्य मोड और या उसके संयोजन के माध्यम से इक्विटी शेयर या परिवर्तनीय उपकरण जारी करके धन जुटाने के प्रस्ताव पर भी विचार करेगा।

कारों की बिक्री ने बनाया रिकॉर्ड, 2023-24 में बिकीं 39.5 लाख गाड़ियां

नई दिल्ली, एजेंसी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन ने सोमवार को पिछले महीने के वाहन बिक्री आंकड़े जारी किए हैं। इसके अनुसार, पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 में 39.48 लाख गाड़ियों की बिक्री दर्ज करते हुए सालाना आधार पर 8.45 प्रतिशत की बढ़त हासिल की है। इसकी तुलना में वित्त वर्ष 2022-23 में 36.40 लाख कारें बिकी थीं। पिछले महीने 3.22 लाख कारों की बिक्री हासिल हुई है, जो 2023 मार्च की 3.43 लाख की तुलना में 6.17 प्रतिशत कम हैं।

12 महीने में बिके 1.75 करोड़ दोपहिया वाहन : पिछले वित्त वर्ष में दोपहिया वाहनों की बिक्री 1.75 करोड़ रही है, जो वित्त वर्ष 2023 की 1.6 करोड़ की तुलना में 9.30 प्रतिशत बढ़ी है। वित्त वर्ष 2024 में ऑटो रिटेल में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें दोपहिया, तिपहिया, कार, ट्रैक्टर और कमर्शियल वाहन में क्रमशः 9 प्रतिशत, 49 प्रतिशत, 8.45 प्रतिशत, 8 प्रतिशत और 5 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई। स्नष्ठ ने कहा है कि इस दौरान तिपहिया, कार और ट्रैक्टर बिक्री ने रिकॉर्ड ऊंचाई तय की है।

बिक्री पर पड़ा लोकसभा चुनाव का असर : पिछले महीने सभी वाहनों बिक्री में सालाना आधार पर 3.14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। स्नष्ठ के अनुसार, लोकसभा चुनाव के कारण कार, कमर्शियल वाहन और ट्रैक्टरों की बिक्री में गिरावट दर्ज हुई है। हालांकि, इस दौरान दोपहिया वाहनों की बिक्री में 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि तिपहिया वाहन बिक्री में 17 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री में बढ़ोतरी हुई और पहली बार सेगमेंट की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 9.12 प्रतिशत हो गई

मारुति सुजुकी ने बढ़ाई अपने मानेसर प्लांट की क्षमता, हर साल कर रही है 9 लाख गाड़ियों का प्रोडक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। मारुति सुजुकी इंडिया ने अपनी मानेसर प्लांट की उत्पादन क्षमता में एक लाख इकाई प्रति वर्ष का विस्तार किया है। मोटर वाहन प्रमुख ने हरियाणा के मानेसर में कार्यरत तीन विनिर्माण संयंत्रों में से मौजूदा प्लांट-ए में एक वाहन 'असेंबली लाइन' जोड़ी है। मारुति सुजुकी इंडिया ने एक बयान में कहा, ''नई वाहन 'असेंबली लाइन' में प्रति वर्ष एक लाख इकाई बनाने की क्षमता है।'' बयान के अनुसार, अतिरिक्त 'असेंबली लाइन' के साथ मानेसर की कुल विनिर्माण क्षमता नौ लाख वाहन प्रति वर्ष हो गई है। एमएसआई के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी हिसाशी तेकुची ने कहा, ''हमारा लक्ष्य अगले सात-आठ वर्षों में अपनी क्षमता को करीब दोगुना करके 40 लाख वाहन प्रति वर्ष करना है। प्रति वर्ष एक लाख वाहनों की यह क्षमता वृद्धि इस लक्ष्य की दिशा में एक कदम है।''

डीएवीवी ने रिजल्ट जल्द जारी करने के लिए बदली व्यवस्था

इंदौर। परीक्षा परिणामों को जल्द जारी करने के लिए देवी अहिल्या विश्वविद्यालय अपनी मूल्यांकन व्यवस्था में बदलाव कर रहा है। कापियां जांचने से जुड़ी प्रक्रिया में 300 नए शिक्षकों को जोड़ने की तैयारी हो गई है। यह काम महीने भर में पूरा होना है। इसके लिए कालेजों से विभिन्न विषयों के शिक्षकों के बारे में पूछा गया है। अगले सप्ताह तक प्रबंधन को शिक्षकों की सूची देनी है। उसके आधार पर शिक्षकों को मूल्यांकन कार्य दिया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक, कोड-28 के तहत नियुक्त शिक्षकों को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।लोकसभा चुनाव की वजह से विश्वविद्यालय के अधिकारी-शिक्षकों की निर्वाचन कार्य में ड्यूटी लगाई है। इससे परीक्षाओं को आगे बढ़ाने की नौबात आई है। ऐसे में परीक्षा के साथ ही मूल्यांकन कार्य भी प्रभावित हुआ है। इन दिनों स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षाएं चल रही हैं, जो जून में खत्म होगी। विश्वविद्यालय को जुलाई तक विद्यार्थियों के रिजल्ट जारी करना होंगे। इसके लिए मूल्यांकन कार्य तेजी से करना होगा।वर्तमान में कापियां जांचने में 800 शिक्षक सहयोग करते हैं, मगर स्नातक अंतिम वर्ष के 60 हजार विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिका को जांचने में 300 और शिक्षकों की जरूरत है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने कालेजों से शिक्षकों के बारे में पूछा है। अधिकारियों के मुताबिक, परीक्षा से 45-60 दिन में रिजल्ट निकालेंगे। इसके लिए मूल्यांकनकर्ताओं की संख्या बढ़ाई जा रही है, जिसमें पांच साल से अधिक अनुभव वाले शिक्षकों को कापियां जांचने की जिम्मेदारी देंगे। परीक्षा नियंत्रक डा. अशेष तिवारी का कहना है कि निजी कालेजों को अपने-अपने शिक्षकों सूची 20 अप्रैल तक भेजना है।

शिक्षा विभाग ने थमाया नोटिस, परीक्षा का खराब परिणाम देने वाले शिक्षकों पर होगी कार्रवाई

इंदौर। फरवरी-मार्च में आयोजित हुई 9वीं और 11वीं का परीक्षा परिणाम एक अप्रैल को जारी कर दिया गया है। हाल ही में इस परीक्षा परिणाम को लेकर प्रीतमलाल दुआ सभागृह में समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें 20 से अधिक स्कूल ऐसे निकले जिनका परीक्षा परिणाम 40 फीसदी से कम आया है। ऐसे स्कूलों के शिक्षकों को जिला शिक्षा अधिकारी ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

नोटिस जारी कर मांगा जवाब

इस बार 9वीं का परीक्षा परिणाम 71.34 और 11वीं का बोर्ड परीक्षा परिणाम 85.20 फीसदी आया है। लेकिन 20 स्कूल ऐसे भी रहे, जहां पर परीक्षा परिणाम औसत से भी कम आया है। जिला शिक्षा अधिकारी मंगलेश व्यास ने बताया कि समीक्षा बैठक में औसत से कम परिणाम देने वाले स्कूलों को लेकर चर्चा की गई थी। जिसमें 20 स्कूलों के शिक्षकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इन स्कूलों में से अधिकांश जगह गणित और अंग्रेजी विषय में परीक्षार्थियों को कम नंबर मिले है। जवाब मिलने के बाद इन शिक्षकों की ट्रेनिंग आयोजित की जाएगी। ताकि वर्तमान शिक्षा सत्र में परिणाम बेहतर आए। 10वीं और 12वीं का मूल्यांकन जारी व्यास ने बताया कि 10वीं और12वीं बोर्ड परीक्षाओं को मूल्यांकन कार्य भी पूरा हो चुका है। अब एजेंसी द्वारा अंकों की शीट को मुख्यालय भेजा जा रहा है। जहां अंकसूची तैयारी की जाएगी। परीक्षा परिणाम की तारीख तय नहीं है। लेकिन संभवत इसी माह के अंत तक परीक्षा परिणाम आने की संभावना है। बोर्ड परीक्षा परिणाम आने के बाद समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी।

ETS TOEFL announces scholarship for Indian students aiming for higher education in UK

The ETS TOEFL has collaborated with the National Indian Students and Alumni Union (NISAU) to launch the 'UK-India TOEFL Scholarship'. The scholarship seeks to support 10 Indian students with a scholarship worth Rs 2.5 lakh. Students who wish to pursue higher education in the United Kingdom can apply for the scholarship at toefltest.in/scholarship. The last date for Indian students to apply for the scholarship is July 15.

The scholarship aims to help the students willing to pursue full-time undergraduate or postgraduate programmes in the UK in the fall 2024 or spring 2025 session. It will be a one-time scholarship and will cover expenses including tuition, books, transportation, etc.

To be eligible for the scholarship, all applicants must meet the following criteria:

– A minimum TOEFL® test score of 75 out of 120

– An admission offer letter from a UK university for Fall 2024 or Spring 2025

The candidates will be shortlisted for the scholarship by a selection panel comprising of NISAU and UK university representatives. The successful recipients of the UK-India TOEFL Scholarship will act as TOEFL ambassadors during their studies, promoting the program and sharing their experiences.

सितंबर तक 100 डॉलर पहुंच सकता है कच्चा तेल, कई देशों के बीच तनाव बढ़ने बढ़ेंगे दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल के और महंगा होने की आशंका है। जेपी मॉर्गन एंड चेज का अनुमान है कि अगस्त-सितंबर तक कच्चा तेल 100 डॉलर के पार पहुंच सकता है। इससे दुनियाभर में महंगाई बढ़ने को लेकर चिंता उत्पन्न हो गई है। जेपी मॉर्गन एंड चेज के मुताबिक, कई देशों के बीच नए सिरे से तनाव बढ़ने और आपूर्ति में कमी से क्रूड की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। हाल में क्रूड छह महीने के उच्च स्तर 90 डॉलर के पार पहुंच गया था। विश्लेषकों के मुताबिक, क्रूड में तेजी महंगाई को लेकर भी चिंता बढ़ा रही है। इससे केंद्रीय बैंकों की दर में कटौती की योजनाओं पर असर पड़ सकता है। वैश्विक आधार पर मांग ठीक है, लेकिन आपूर्ति कम है। मेक्सिको से तेल निर्यात पिछले महीने 35 फीसदी गिरकर 2019 के बाद से निचले स्तर पर आ गया। मार्च में मेक्सिको, अमेरिका, कतर और इराक ने अपने संयुक्त तेल उत्पादन में प्रतिदिन 10 लाख बैरल से अधिक की कटौती की। इस्रायल व ईरान के बीच तनाव का माहौल है। दोनों देशों में कभी भी युद्ध की स्थिति बन सकती है। इसके अलावा, कमोडिटी संचालित महंगाई फिर से वापस दिखने लगी है। इससे क्रूड की कीमतें बढ़ने की प्रबल आशंका है। मेक्सिको की ओर से क्रूड निर्यात को कम करने का हालिया कदम वैश्विक स्तर पर दबाव बढ़ा रहा है। इससे अमेरिका में तेल की खपत बढ़ गई है। अमेरिकी प्रतिबंधों ने रूसी माल को समुद्र में फंसा दिया है। अगला लक्ष्य वेनेजुएला की आपूर्ति बाधित करना है। लाल सागर में टैंकरों पर हूती विद्रोहियों के हमलों से क्रूड निर्यात शिपमेंट में देरी हुई है। उथल-पुथल के बावजूद ओपेक देश उत्पादन कटौती पर अड़े हैं। इससे ब्रेंट क्रूड के दो वर्षों में पहली बार 100 डॉलर तक पहुंचने का खतरा पैदा हो गया है।

SSC CHSL 2024 application process begins for 3,712 vacancies

The Staff Selection Commission (SSC) on April 8 started the SSC CHSL 2024 application. The last date to fill the application form is set as May 7, 2024. The SSC CHSL tier 1 exam will be held in June-July and the dates of tier 2 exam will be announced later. The SSC CHSL application 2024 is available on the official website – ssc.gov.in. Candidates who are seeking recruitment for the posts of LDC, JSA and DEO can fill the form and prepare accordingly.

Age limit:- The age limit differs from post to post and the minimum age limit is 18 years and maximum 27 years, while for reserved category candidates the upper age limit is relaxed. Candidates are advised to check the age eligibility criteria according to the post they are applying for in this recruitment drive. The crucial date for age reckoning is fixed as August 1, 2024. Academic qualification

The minimum educational criteria to write the SSC CHSL exam is Class 12 pass or an equivalent examination from a recognized university board. There are some different academic qualifications required for LDC/JSA, PA/SA, DEO. Candidates are advised to go through the official notification carefully before applying.

Exam Pattern:- SSC CHSL comprises three tiers (stages) and the candidates have to qualify in each of the stages to get shortlisted for the vacancies. The tier I of the exam consists of objective multiple choice questions in CBT mode and tier II is also objective type questions and candidates should check official notification for more details. The recruitment will be carried for the Group C posts for Lower Divisional Clerk (LDC)/ Junior Secretariat Assistant (JSA), and Data Entry Operators (DEO) posts for various ministries, departments and offices of the Government of India and various constitutional bodies, statutory bodies and tribunals.

गोदरेज प्रॉपर्टीज की वित्त वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड 22,500 करोड़ रुपए की बिक्री बुकिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में 84 प्रतिशत की वृद्धि के साथ रिकॉर्ड 22,500 करोड़ रुपए रही। आवासीय संपत्तियों की मजबूत मांग बिक्री वृद्धि की प्रमुख वजह रही। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने बेंगलुरु स्थित प्रेस्टीज समूह की बिक्री बुकिंग के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। प्रेस्टीज समूह ने पिछले वित्त वर्ष में 21,040 करोड़ रुपए की बिक्री बुकिंग होने की सोमवार को जानकारी दी थी। मैक्रोटेक डेवलपर्स ने वित्त वर्ष 2023-24 में 14,520 करोड़ रुपए की बिक्री दर्ज की है। डीएलएफ ने अभी तक अपने आंकड़ों की घोषणा नहीं की है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही और पूरे 2023-24 में क्रमशः अपनी अब तक की सबसे अच्छी तिमाही और वार्षिक बिक्री दर्ज की है। वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर दोगुनी होकर 9,500 करोड़ रुपए से अधिक रही। पिछले वित्त वर्ष में इसकी बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर 84 प्रतिशत बढ़कर 22,500 करोड़ रुपए से अधिक हो गई। कंपनी के अनुसार, ''यह भारत में किसी भी सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध रियल एस्टेट डेवलपर द्वारा घोषित अब तक की सबसे अधिक वार्षिक बिक्री है। यह दो करोड़ वर्ग फुट के क्षेत्रफल में फैले 14,310 मकानों की बिक्री के जरिए संभव हो पाया। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने कहा कि कंपनी की बिक्री बुकिंग पिछले वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में सालाना आधार पर 56 प्रतिशत बढ़कर 81.7 लाख वर्ग फुट हो गई। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गौरव पांडे ने कहा, ''पिछले दो वर्षों में हमने जो तेजी हासिल की है, उससे हम खुश हैं। वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में 9,500 करोड़ रुपए से अधिक की बिक्री बुकिंग वित्त वर्ष 2021-22 में हमारी वार्षिक बुकिंग से अधिक है।

लिस्टिंग पर कराया था नुकसान, अब दे रहा जबरदस्त मुनाफा, 190 प्रतिशत चढ़ गया भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। एथोस के शेयर लगातार फोकस में हैं और इसने अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। प्रीमियम और लग्जरी घड़ी रिटेल सेक्टर में एक प्रमुख प्लेयर एथोस के शेयर में अप्रैल 2023 से लगातार तेजी है। सालभर में इसमें 166 प्रतिशत की जबरदस्त तेजी आई है। इस दौरान यह शेयर 959 से बढ़कर 2,542 पर आ गया है। पिछले 12 महीने में स्टॉक का 8 महीने पॉजिटिव रिटर्न रहा। अप्रैल 2023 में यह शेयर 35.33 प्रतिशत का मासिक रिटर्न दिया था। इसके बाद इस साल जनवरी में 19.61 प्रतिशत चढ़ा है। 11 मार्च को स्टॉक 3,044 प्रति शेयर के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया था।

9 अगस्त, 2021 में यह शेयर भारतीय स्टॉक एक्सचेंजों पर 878 के इश्यू प्राइस के मुकाबले 803 प्रति शेयर पर लिस्ट हुआ था। स्टॉक को शुरुआत में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। हालांकि, बाद के महीनों में इसमें तेजी आई और वर्तमान में यह अपने आईपीओ प्राइस से 190 प्रतिशत अधिक प्रीमियम पर कारोबार कर रहा है।

एथोस वॉचेज भारत की लग्जरी घड़ी बुटीक की सबसे बड़ी चेन है। लग्जरी घड़ी मार्केट में हाल के सालों में जबरदस्त तेजी आई है और बढ़ती मांग के कारण आने वाले वर्षों में भी यह प्रवृत्ति जारी रहने की उम्मीद है। बता दें कि वर्तमान में कंपनी के भारत में 60 से अधिक स्टोर हैं। एथोस के पास भारत में प्रीमियम और लग्जरी घड़ियों का एक बड़ा पोर्टफोलियो है। इसमें ओमेगा, आईडब्ल्यूसी शैफहाउसेन, जैगर लेकोल्ट्रे, पैनेराई, एच. मोजर एंड सी, राडो, लॉन्गिंस, बॉम एंड मर्सिएर, ओरिस, एसए, कोरम, कार्ल एफ. बुचेरर, टिसोट, रेमंड वेइल, लुई मोइनेट और बाल्मेन जैसे 60 से अधिक प्रीमियम और लग्जरी घड़ी ब्रांडों की रिटेल बिक्री शामिल हैं।

भारत ने यूरिया खरीद आधी कर वैश्विक यूरिया जगत को चौंकाया

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में हर साल करीब 350 लाख टन यूरिया की जरूरत होती है लेकिन सरकार 2025 के अंत तक यूरिया का आयात बंद करने जा रही है। वहीं दूसरी ओर स्टोनेक्स के उर्वरक निदेशक जोश लिनविले ने यूरिया को लेकर ट्वीट किया है जिसमें उसने कहा है कि भारत ने यूरिया की खरीद 724केएमटी से घटाकर अब 340केएमटी कर दी है, भारत के इस कदम ने वैश्विक यूरिया जगत को चौंका दिया है।

यूरिया का घरेलू उत्पादन बढ़ा

हाल ही में रसायन और उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा था कि भारत अगले साल यानी 2025 के आखिर तक यूरिया का आयात बंद कर देगा। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, यूरिया का घरेलू उत्पादन तेजी से बढ़ा है और यह सप्लाई और डिमांड के मौजूदा अंतर को खत्म कर देगा।

मांडविया का कहना है कि नरेंद्र मोदी सरकार ने यूरिया आयात पर निर्भरता खत्म करने के लिए दोतरफा रणनीति अपनाई है। सरकार ने चार बंद हो चुके यूरिया प्लांट को दोबारा शुरू कराया है। साथ ही, एक और कारखाने को शुरू कराने की दिशा में काम चल रहा है, जो बंद हो चुका है।

उन्होंने बताया कि घरेलू मांग को पूरा करने के लिए भारत को सालाना लगभग 350 लाख टन यूरिया की जरूरत होती है। अब घरेलू उत्पादन 310 लाख टन तक पहुंच गया है, जो 2014-15 में 225 लाख टन था। पांचवें प्लांट के शुरू होने के बाद यह 325 लाख टन पहुंच जाएगा। बाकी 20-25 लाख टन में पारंपरिक यूरिया की जगह नैनो लिक्विड यूरिया का इस्तेमाल करने का इरादा है।

क्या होता है सदका-ए-फित्र? ईद से पहले इसे दान करना होता है जरूरी

माहे रमजान का पाक महीना अब समाप्ति के बहुत करीब है. रमजान का आखिरी अशरा कुछ दिनों में खत्म होने वाला और ईद-उल-फितर का पर्व यानी मीठी ईद का जश्न जल्द ही आने वाला है.

रमजान के इस पूरे महीने में मुस्लिम धर्म के लोग अल्लाह की इबादत के लिए रोजे और पांच वक्त की नमाज अदा करते हैं. साथ ही रमजान के इस पाक महीने में मुस्लिम धर्म के लोग जकात भी निकालते हैं. जिस तरह हर मुसलमान पर रमजान के महीने रोजे रखना फर्ज है उसी तरह जकात निकालना भी फर्ज है. ठीक उसी तरह रमजान के आखिरी अशरे में सदका-ए-फित्र निकालना भी एक फर्ज है. सदका-ए-फित्र को रमजान के महीने की माफी भी कहा जाता है. रोजेदार अगर रोजे के दौरान कोई गलती भी कर बैठते हैं तो इसके जरिए वह अपनी गलती सुधार सकते हैं.

क्या होता है सदका-ए-फित्र

मरकज मस्जिद के मुफ़्ती इलियास मजाहिरी बताते हैं कि जिस तरीके से बदन की जकात नमाज अदा करना है और माल की जकात गरीबों में पैसा देना है. इसी प्रकार रोजे की भी इस्लाम में एक जकात है. जिसे सदका-ए-फित्र कहा जाता है. क्यों निकाला जाता है सदका-ए-फित्र मुफ़्ती इलियास मजाहिरी के मुताबिक, इसे आम भाषा में लोग फितरा कहते हैं. इसे निकालने के लिए 2 खास वजह बताई गई हैं. पहली वजह, यादि रोजे में आदमी से कोई कोताही हो जाए, फिजूल बात जुबान से निकल जाए या फिर ऐसा कोई गुनाह हो जाए जिससे अल्लाह ताला नाराज हो जाए. उसी कमी को दूर करने के लिए सदका-ए-फित्र है. इसलिए रोजेदार रमजान की गलती सुधारने के लिए सदका- ए-फित्र निकालते हैं. मजाहिरी ने बताया कि सदका-ए-फित्र को निकालने की अल्लाह ताला ने दूसरी वजह यह बताई है कि आप लोग तो खुशी मना रहे हो कि ईद आने वाली है, आपके पास तो अच्छे कपड़े हैं और आप अच्छे खाने बनाने की तैयारी में भी है. लेकिन कई लोग ऐसे हैं जो गरीबी के कारण ईद की खुशियां नहीं बना पाते हैं. मजाहिरी बताते हैं कि इसलिए ईद से दो-तीन दिन पहले यह सदका-ए-फित्र गरीबों को दान करने के निकाला जाता है. ताकि गरीब लोग भी ईद की खुशियां मना सके.

ईद उल फितर का त्योहार इस्लाम धर्म का सबसे बड़ा त्योहार है। यह त्यौहार रमज़ान के बाद मनाया जाता है। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार, ईद उल फितर हर साल 10वें शव्वाल के पहले दिन मनाया जाता है। इस साल माना जा रहा है कि ईद का त्योहार 10 अप्रैल को धूमधाम से मनाया जाएगा. ईद कब मनाई जाएगी यह चांद निकलने से तय होता है। सऊदी अरब में जिस दिन ईद मनाई जाती है उसके अगले दिन भारत में ईद मनाई जाएगी. ईद उल फितर को छोटी ईद और मीठी ईद भी कहा जाता है.

रमजान के पवित्र महीने के अंत का प्रतीक है ईद उल फितर

ईद उल फितर 2024 इस्लाम में पांच नियमों का पालन करना सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इसमें नमाज़, हज यात्रा, ईमान, रोज़ा और ज़कात शामिल है। ऐसा माना जाता है कि ईद पहली बार 624 ईस्वी में मनाई गई थी। ईद उल फितर की शुरुआत पैगंबर मुहम्मद ने की थी। कहा जाता है कि इसी दिन पैगंबर हजरत मुहम्मद ने बद्र की लड़ाई में जीत हासिल की थी. लोगों ने पैगम्बर की जीत पर खुशी का इजहार किया और मिठाइयां बांटीं. कई तरह के पकवान बनाकर जश्न मनाया जाता है. तभी से हर साल बकरीद से पहले मीठी ईद मनाई जाती है. इस त्यौहार पर मुसलमान न केवल रमज़ान के पूरा होने का जश्न मनाते हैं बल्कि कुरान के लिए अल्लाह का शुक्रिया भी अदा करते हैं। इस्लामिक इतिहास के अनुसार इसी महीने मुसलमानों ने पहला युद्ध लड़ा था जो सऊदी अरब के मदीना प्रांत के बद्र शहर में हुआ था। इसीलिए उस युद्ध को जंग-ए-बदर कहा जाता है। उस युद्ध में मुसलमानों की विजय हुई।

ईद 2024 क्यों खास है?

ईद 2024यह दुनिया भर के सभी मुसलमानों के लिए एक बहुत ही खास त्योहार है। ईद-उल-फितर रमज़ान-ए-पाक महीने के पूरा होने की खुशी में मनाया जाता है। इस्लामिक कैलेंडर के मुताबिक, ईद उल फितर का त्योहार हर साल 10 शव्वाल की पहली तारीख को मनाया जाता है। भारत में ईद उल फितर 10 अप्रैल 2024 को है। हालांकि, ईद मनाने का त्योहार चांद के निकलने पर भी निर्भर करता है। इस दिन लोग एक-दूसरे के घर जाते हैं, मिलते हैं और प्यार बांटते हैं। इस दिन नए कपड़े पहने जाते हैं और बच्चों को ईद के तोहफे बांटे जाते हैं। घर में तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं. इस दिन मीठी सेवइयां बनाई जाती हैं. इस दिन लोग सुबह उठकर मस्जिदों में जाकर नमाज़ पढ़ते हैं और सभी से गले मिलते हैं। इस दिन फितरा भी दिया जाता है और गरीबों की मदद की जाती है। वह दिन जिस दिन सऊदी अरब में ईद मनाई जाती है। इसके अगले दिन भारत में ईद मनाई जाती है. ईद के दिन हम अपने गिले-शिकवे भूलकर एक-दूसरे को गले लगाते हैं।

ईद उल फितर 2024 समारोह

ईद के दिन सुबह सबसे पहले नमाज पढ़ी जाती है। इसके बाद लोग एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद देते हैं। सभी रिश्तेदार और

दोस्त एक-दूसरे के घर आते-जाते हैं। घरों में तरह-तरह के मीठे व्यंजन (विशेषकर सेवइयां) बनाने की परंपरा है। घर आए मेहमानों को मीठी सेवइयां खिलाई जाती हैं। ईदी दोस्तों और रिश्तेदारों के बीच बांटी जाती है. ईद उल फितर के दिन लोग सुबह नए कपड़े पहनकर नमाज अदा करते हैं और शांति की दुआ करते हैं। ईद-उल-फितर के मौके पर लोग खुदा का शुक्रिया अदा करते हैं क्योंकि अल्लाह उन्हें पूरे महीने रोजा रखने की ताकत देता है। ईद पर गरीबों और जरूरतमंदों के लिए जकात (एक विशेष रकम) निकाली जाती है।

ईद-उल-फितर अनुष्ठान

ईद-उल-फितर रोजा तोड़ने का त्योहार है। इस शुभ त्योहार पर मुस्लिम लोगों द्वारा कई अनुष्ठान किए जाते हैं। आइये जानते हैं उनमें से कुछ के बारे में-

नया चाँद देखना - ईद-उल-फ़ितर रमज़ान के अंत में नया चाँद देखने के बाद शुरू होता है। मुस्लिम लोग चांद का बेसब्री से इंतजार करते हैं. यह वर्षों से चली आ रही पारंपरिक परंपरा है। नए चाँद के दिखने की पुष्टि धार्मिक अधिकारियों द्वारा की जाती है जो बाद में मुस्लिम समुदाय को ईद के आगमन की घोषणा करते हैं।

उस दिन उपवास - यह एक लोकप्रिय गलत धारणा है कि लोग ईद-उल-फितर पर उपवास करते हैं। इसके बजाय, उनके पास सुहूर की एक रस्म है, जहां वे केवल सुबह से पहले का भोजन करते हैं। ईद के दिन की शुरुआत ईद की नमाज़ से होती है जिसे सलात-अल-ईद के नाम से जाना जाता है। वे मस्जिद या खुले प्रार्थना मैदान में एक साथ होते हैं, दो रकात अदा करते हैं और खुद को अल्लाह के प्रति समर्पित कर देते हैं।

ज़कात अल-फ़ितर - ज़कात अल-फ़ितर को फ़ितराना या सदाक़त अल-फ़ितर के नाम से भी जाना जाता है। यह ईद-उल-फितर पर मुस्लिम समुदाय द्वारा दिया गया एक धर्मार्थ दान है। वे यह दान ईद की नमाज से पहले करते हैं। यह सभी के लिए अनिवार्य नहीं है. यह सक्षम मुसलमानों द्वारा किया जाता है। ज़कात अल-फ़ितर की राशि आम तौर पर एक भोजन की लागत के बराबर होती है। इसलिए ज्यादातर मुसलमान इसमें हिस्सा लेते हैं.

शुभकामनाओं का आदान-प्रदान - ईद की नमाज़ के बाद, मुसलमान एक-दूसरे को शुभकामनाएँ देते हैं। वे एक-दूसरे को गले लगाते हैं और ईद मुबारक या हैप्पी ईद कहकर शुभकामनाएं देते हैं। यह परंपरा आनंद और एकता की अभिव्यक्ति है। इसलिए वे एक-दूसरे को गर्मजोशी से गले लगाते हैं, हाथ मिलाते हैं और शुभकामनाएं देते हैं। परिवार, मित्र और पड़ोसी बधाई देने के लिए एकत्र होते हैं।

उत्सव की पोशाक - ईद-उल-फितर मुसलमानों के लिए अपनी बेहतरीन पोशाक पहनने का समय है। सभी पुरुष और महिलाएं अपने पारंपरिक परिधान जैसे कमीज, पायजामा, कुर्ता आदि के साथ आभूषण, इत्र और अन्य सामान पहनते हैं। उनकी बेहतरीन पोशाक उनकी सांस्कृतिक विरासत और व्यक्तिगत शैली को दर्शाती है। ईद-उल-फितर के अवसर पर चमकीले रंग, अद्वितीय पैटर्न और शानदार कपड़े पसंद किए जाते हैं।

उत्सव की दावत - ईद-उल-फितर का उत्सव उनकी पसंद के अनुसार दावतों से भरा होता है। वे अपने परिवार, दोस्तों और प्रियजनों के साथ भोजन का आनंद लेते हैं। घर पर विभिन्न प्रकार के पारंपरिक व्यंजन और मिठाइयाँ तैयार की जाती हैं, जिनमें कबाब, समोसा, बाकलावा, शीर खुरमा और भी बहुत कुछ शामिल हैं। ईद-उल-फितर के दौरान, मुस्लिम घर मसालों और खाना पकाने की सुगंध से भर जाते हैं। वे एक दूसरे को दावत का भोजन देने के लिए भी जाते हैं।

ईदी और उपहार - ईदी परिवार के सदस्यों, विशेषकर बच्चों को दी जाने वाली धनराशि के रूप में एक प्रकार का उपहार है। ईद-उल-फितर के मौके पर मुस्लिम बच्चे ईदी और उपहार पाने के लिए उत्साहित हैं। यह प्रेम, उदारता और सद्भावना का संकेत है। बड़े लोग बच्चों को ईदी देते हैं जिसका उपयोग वे खिलौने, कपड़े और उपहार खरीदने में कर सकते हैं। ईद-उल-फितर की रस्में मुसलमानों के बीच आध्यात्मिक महत्व, सांस्कृतिक समृद्धि और सांप्रदायिक सद्भाव में विश्वास का एक बयान है।

ईद उल फितर के लिए क्या करें

- ईद के दिन नमाज जरूर पढ़नी चाहिए. मान्यता के अनुसार, इस दिन नमाज पढ़ने से अल्लाह रमजान के महीने में की गई सभी गलतियों को माफ कर देते हैं और आप पर अपनी रहमत बरसाते हैं।
- ईद के दिन दान और दक्षिणा का विशेष महत्व माना जाता है। इस दिन किए गए दान का कई गुना फल मिलता है।
- ईद के मौके पर सभी के साथ प्रेम और सौहार्द के साथ मिलना-जुलना चाहिए, ऐसा करना न केवल धार्मिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी बहुत अच्छा माना जाता है।
- इस त्योहार के मौके पर आपको इंसानों के साथ-साथ जानवरों को भी खाने की चीजें दान करनी चाहिए। ऐसा करने से अल्लाह खुश होते हैं और आप पर अपनी कृपा बरसाते हैं।
- ईद का त्योहार प्रेम और भाईचारे का संदेश देता है। इसलिए अगर आप अपने प्रियजनों से नाराज हैं तो आपको इस दिन से सब कुछ भूलकर नई शुरुआत करनी चाहिए।

ईद उल फितर के लिए क्या न करें

- मुस्लिम धर्म में नशे को हराम बताया गया है लेकिन फिर भी व्यक्ति इन चीजों का सेवन करता है। इसलिए उन्हें ईद के दिन ऐसा बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए. ऐसा करने से वह पाप का भागी बनता है।
- ईद के दिन किसी भी तरह से किसी भी व्यक्ति का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए, ऐसा करने से सामने वाले को ठेस पहुंचती है और अल्लाह आपसे नाराज हो जाते हैं।
- ईद के मुबारक मौके पर किसी से लड़ाई-झगड़ा या अपशब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।
- ईद के मौके पर अपने माता-पिता या बड़ों को दुखी नहीं करना चाहिए। ऐसा करना सबसे बड़ा अपराध माना जाता है. ऐसा सिर्फ ईद पर ही नहीं बल्कि कभी भी नहीं करना चाहिए.
- इस दिन किसी का प्रार्थना करने या श्रद्धांजलि देने का अधिकार नहीं छीना जाना चाहिए। ऐसा करने से आप अल्लाह की रहमत से वंचित हो सकते हैं।
- तो यह था ईद-उल-फितर के बारे में। यह दुनिया भर के मुसलमानों के लिए सबसे प्रसिद्ध त्योहारों में से एक है और इसे बहुत खुशी और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। हमने सभी आवश्यक विवरण प्रदान किए हैं जिनका उपयोग करके आप यह त्योहार मना सकते हैं।

मुरादें पूरी होने का दिन ईद -उल-फित्र

ईद -उल-फित्र दरअसल दो शब्द हैं। ईद और फित्र। असल में ईद के साथ फित्र को जोड़े जाने का एक खास मकसद है। वह मकसद है रमजान में जरूरी की गई रुकावटों को खत्म करने का ऐलान। साथ ही छोटे-बड़े, अमीर-गरीब सबकी ईद हो जाना। यह नहीं कि पैसे वालों ने, साधन-संपन्न लोगों ने रंगारंग, तड़क-भड़क के साथ त्योहार मना लिया व गरीब-गुरबा मुंह देखते रह गए। शब्द फित्र के मायने चीरने, चाक करने के हैं और ईद-उल-फित्र उन तमाम रुकावटों को भी चाक कर देती है, जो रमजान में लगा दी गई थीं। जैसे रमजान में दिन के समय खाना-पीना व अन्य कई बातों से रोक दिया जाता है। ईद के बाद आप सामान्य दिनों की तरह दिन में खा-पी सकते हैं। गोया ईद-उल-फित्र इस बात का ऐलान है कि अल्लाह की तरफ से जो पाबंदियां माहे-रमजान में तुम पर लगाई गई थीं, वे अब खत्म की जाती हैं। इसी फित्र से फित्रा बना है। फित्रा यानी वह रकम जो खाते-पीते, साधन संपन्न घरानों के लोग आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को देते हैं। ईद की नमाज से पहले इसका अदा करना जरूरी होता है। इस तरह अमीर के साथ ही गरीब की, साधन संपन्न के साथ साधनविहीन की ईद भी मन जाती है। असल में ईद से पहले यानी रमजान में जकात अदा करने की परंपरा है। यह जकात भी गरीबों, बेवाओं व यतीमों को दी जाती है। इसके साथ फित्रे की रकम भी उन्हीं का हिस्सा है। इस सबके पीछे सोच यही है कि ईद के दिन कोई खाली हाथ न रहे, क्योंकि यह खुशी का दिन है। यह खुशी खासतौर से इसलिए भी है कि रमजान का महीना जो एक तरह से परीक्षा का महीना है, वह अल्लाह के नेक बंदों ने पूरी अकीदत (श्रद्धा), ईमानदारी व लगन से अल्लाह के हुक्मों पर चलने में गुजारा। इस कड़ी आजमाइश के बाद का तोहफा ईद है। किताबों में आया है कि रमजान में पूरे रोजे रखने वाले का तोहफा ईद है। इस दिन अल्लाह की रहमत पूरे जोश पर होती है तथा अपना हुक्म पूरा करने वाले बंदों को रहमतों की बारिश से भिगो देती है। अल्लाह पाक रमजान की इबादतों के बदले अपने नेक बंदों को बख्शे जाने का ऐलान फरमा देते हैं। ईद की नमाज के जरिए बंदे खुदा का शुक्र अदा करते हैं कि उसने ही हमें रमजान का पाक महीना अता किया, फिर उसमें इबादतें करने की तौफीक दी और इसके बाद ईद का तोहफा दिया। तब बंदा अपने माबूद (पूज्य) के दरबार में पहुंचकर उसका शुक्र अदा करता है। सही मायनों में तो ये मन्नतें पूरी होने का दिन है। इन मन्नतों के साथ तो ऊपर वाले के सामने सभी मंगते बनने को तैयार हो जाते हैं। उस रहीमो-करीम (अत्यंत कृपावान) की असीम रहमतों की आस लेकर एक माह तक मुसलसल इम्तिहान देते रहे। कोशिश करते रहे कि उसने जो आदेश दिए हैं उन्हें हर हाल में पूरा करते रहें। चाहे वह रोजों की शक्ल में हो, सहरी या इफ्तार की शक्ल में। तरावीह की शक्ल में या जकात-फित्रे की शक्ल में। इन मंगतों ने अपनी हिम्मत के मुताबिक अमल किया, अब ईद के दिन सारे संसार का पालनहार उनको नवाजेगा।

पूरे देश में रमजान का पाक महीना मनाया जा रहा है। इसके खत्म होने के बाद ईद का त्योहार मनाया जाता है। इस ईद को मीठी ईद के नाम से भी जाना जाता है। ईद को पूरी दुनिया में पूरे धूम से मनाया जाता है। लोग इस दिन घरों में मीठे पकवान बनाते हैं। खासकर सेंवईयां जरूर बनती है। लोग एक-दूसरे से गले मिलकर शिकवें दूर करते हैं। इस्लाम धर्म में ये त्योहार भाईचाहे का संदेश देता है। इस दिन मुस्लिम समुदाय के लोग नए कपड़े पहनकर नमाज अदा करते हैं और अपने परिवार के अमन चैन की दुआ करते हैं। इस दिन पढ़ी जाने वाली नमाज को सलात अल फज़्र कहा जाता है। वहीं ईद से पहले हर मुसलमान के लिए फितरा देना फर्ज बताया गया है।

संक्षिप्त समाचार

IPL 2024

'हमने हर बल्लेबाज के लिए योजना बनाई थी लेकिन, हार पर बोले वरूण चक्रवर्ती

चेन्नई, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स के स्पिनर वरूण चक्रवर्ती ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल के मैच में पिच को सही ढंग से पढ नहीं पाने का खामियाजा उनकी टीम को भुगतना पड़ा। पिछले दो मैचों की तुलना में इस मैच की पिच अलग थी। केकेआर 9 विकेट पर 137 रन ही बना सकी जिसे चेन्नई ने 14 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। चक्रवर्ती ने मैच के बाद कहा, 'मैने जब विकेट को देखा तो यह सपाट लगा लेकिन यह पूरी तरह से अलग था। उन्होंने कहा, 'हम पिच को बेहतर भांप सकते थे क्योंकि शुरूआत में यह धीमी थी। गेंद से संपर्क करना कठिन था लेकिन मुझे लगा कि 160 का स्कोर ठीक रहता। इसके अलावा ओस भी थी। शिवम दुबे को जो मैने आखिरी ओवर डाला , उससे काफी फर्क पड़ा क्योंकि मैं गेंद पर पकड़ नहीं बना पा रहा था। उन्होंने कहा, 'हमने हर बल्लेबाज के लिए योजना बनाई थी लेकिन अहम बात उन पर अमल करना था। हर टीम में कुछ बल्लेबाजों का दबदबा रहता है जिन पर रोक लगानी होती है।

मयंक यादव की चोट गंभीर नहीं : क्रूणाल पांड्या

लखनऊ, एजेंसी। आईपीएल 2024 की सबसे तेज गेंद फेंकने वाले एलएसजी के युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव रविवार को गुजरात के खिलाफ चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। गुजरात के खिलाफ मयंक ने मात्र एक ओवर डाला और उसमें 13 रन दिए। मैच के बाद बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर क्रूणाल पांड्या ने मयंक की चोट पर अपडेट दिया। क्रूणाल पांड्या ने कहा, युवा तेज गेंदबाज मयंक मैदान से बाहर आने के बाद ठीक लग रहे थे। मैंने उनसे बातचीत की और वह पहले से बेहतर थे, जो हमारे लिए राहत की खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मयंक पसली में खिंचाव और चोट के कारण बाहर चले गए। तेज गेंदबाज यश ठाकुर के पंजे के अलावा, क्रूणाल ने खुद एलएसजी की आईपीएल 2024 की तीसरी जीत में अहम भूमिका निभाई। वहीं कप्तान केएल राहुल इस बात से भी खुश थे कि कैसे मयंक की अनुपस्थिति के बावजूद उनके गेंदबाजों ने अपने घरेलू मैदान पर एक और स्कोर का बचाव करने के लिए एकजुट होकर शानदार गेंदबाजी की। एलएसजी अब चार मैचों में से तीन जीत के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है और शुक्रवार शाम को दिल्ली कैपिटल्स की मेजबानी करेगा।

रविंद्र जडेजा ने आईपीएल में बनाया महारिकॉर्ड

चैन्नई, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा से बेहतरीन ऑलराउंडर पूरे इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल के इतिहास में नहीं रहा है। दुनिया का कोई अन्य ऑलराउंडर इतना प्रतिभाशाली इस समय नहीं है, जो तीनों फॉर्मेट में खेलता हो और आईपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करता आ रहा हो। इसी बीच रविंद्र जडेजा ने आईपीएल का एक महारिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। कोई अन्य खिलाड़ी उस उपलब्धि तक नहीं पहुंचा है।

दरअसल, रविंद्र जडेजा आईपीएल के इतिहास के एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 1000 से ज्यादा रन बनाए हैं, 100 से ज्यादा विकेट चटकाए हैं और 100 कैच पकड़े हैं। रविंद्र जडेजा ने चेन्नई सुपर किंग्स, कोच्चि टस्कर्स केरला और राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए ये कारनामा कर दिखाया है। वे आईपीएल में 2776 रन बना चुके हैं और गेंदबाज के तौर पर 156 विकेट चटका चुके हैं और 100 कैच इस लीग में पकड़ने में सफलता हासिल की है। असल मायने में रविंद्र जडेजा ही इस समय 3छ प्लेयर यानी 3 डायमेंशनल प्लेयर हैं, जो बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग में सबसे अच्छे हैं। वे एक बल्लेबाज के तौर पर उतरते हैं तो प्योर बैटर नजर आते हैं और स्पिनर के रूप में उतरते हैं तो पूरी तरह लेफ्ट आर्म स्पिनर नजर आते हैं और फील्डर के तौर पर तो उनके कहने ही क्या, दूर से थ्रो फेंकना हो, स्टंप्स को हिट करना हो या फिर कितनी भी दूरी तय करके कैच पकड़ना हो, जडू हर काम आसानी से कर लेते हैं।

बता दें कि रविंद्र जडेजा सोमवार 8 अप्रैल को चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेले गए सीएसके वर्सेस केकेआर मैच में प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए थे। उन्होंने 4 ओवर में 18 रन देकर तीन विकेट अपने नाम किए थे। इसी के साथ वे आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 15 प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी बने थे। इतने ही खिताब एमएस धोनी ने भी अपने नाम किए हैं। धोनी का ये रिकॉर्ड आईपीएल में जल्द टूटने वाला है।

टूट गया केकेआर का विजयीक्रम, कप्तान श्रेयस अय्यर ने बताया सीएसके के हाथों मिली हार की क्या रही वजह

चैन्नई, एजेंसी। आईपीएल 2024 के 22वें लीग मैच में केकेआर का सामना सीएसके से हुआ। इस मैच में मेजबान टीम सीएसके ने अपने कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की नाबाद 67 रन की पारी साथ ही रवींद्र जडेजा की शानदार गेंदबाजी (4-0-18-3) और फील्डिंग (दो कैच) के दम पर इस मैच में 7 विकेट से जीत दर्ज की। सीएसके ने केकेआर के विजयीक्रम को तोड़ दिया जिसने अपने पिछले तीनों मैच लगातार जीते थे, लेकिन चौथे मैच में उसे पराजय मिली। इस मैच में जडेजा को उनकी शानदार गेंदबाजी और शानदार फील्डिंग के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब मिला।

जडेजा आईपीएल में 1000 से ज्यादा रन, 100 से ज्यादा विकेट और 100 कैच लेने वाले पहले खिलाड़ी भी बने। इस मैच में मिली हार के बाद केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर ने बताया कि ये जीत निराश करने वाला है। उन्होंने आगे कहा कि हमें पावप्ले में शानदार शुरुआत मिली, लेकिन उसके बाद हमने लगातार अपने विकेट गंवाए। पहली पारी में पावरप्ले के बाद हम कंडीशन की सही अंदाजा नहीं लगा पाए जबकि सीएसके टीम को यहां की परिस्थितियों के बारे में सब पता था और उन्होंने अपनी योजना के मुताबिक गेंदबाजी की। इस पिच पर पहले रन बनाना आसान नहीं था, हम पारी बनाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन हमारी रणनीति सही तरीके से काम नहीं कर पाई। श्रेयस ने आगे कहा कि पावरप्ले के बाद विकेट बदल गया, हालांकि उससे पहले हम अच्छी स्थिति में थे और लग रहा था कि 160-170 का स्कोर अच्छा होगा, लेकिन हमने रन बनाने की गति खो दी।

हमें अपनी इस हार से सीखना होगा और मुझे खुशी है कि शुरुआत में ही हमें ये सबक मिला। जब हम वापस जाते हैं, तो हम अपनी घरेलू परिस्थितियों को अच्छी तरह से जानते हैं। हमें स्थितियों का विश्लेषण करने की आवश्यकता है और इसका सर्वोत्तम उपयोग करने की आवश्यकता है। आपको बता दें कि केकेआर ने इस मैच में पहले खेलते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 137 रन बनाए जबकि सीएसके ने 17.4 ओवर में 3 विकेट पर 141 रन बनाकर मैच जीत लिया।

एमएस धोनी ने रचा इतिहास

एमएस धोनी केकेआर के खिलाफ खेले गए मैच में उस वक्त बल्लेबाजी के लिए आए जब टीम को केवल तीन ही रन की जरूरत थी। क्रीज पर धोनी आते हैं और तीन बॉल ही खेलकर एक रन बनाते हैं। इसके बाद आखिरी में कप्तान रुतुराज गायकवाड चौका लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाते हैं।

इस बीच धोनी ने एक और नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है। उन्होंने अपने ही साथ रवींद्र जडेजा को पीछे छोड़ दिया है। हम बात कर रहे हैं आईपीएल में सफल रन चेज के बाद सबसे ज्यादा नाबाद यानी नॉट आउट रहने वाले खिलाड़ी की। अब तक ये रिकॉर्ड रवींद्र जडेजा के नाम था, जो अब धोनी के नाम हो गया है। रवींद्र जडेजा अब तक आईपीएल सफल रन चेज में 27 बार नाबाद रहे हैं, लेकिन अब धोनी ने 28 बार ऐसा कर दिया है। यहां हम केवल चेन्नई के लिए खेलते हुए की बात नहीं कर रहे हैं। पूरे आईपीएल करियर की बात कर रहे हैं।

पीटी उषा का बड़ा आरोप, कहा

कार्यकारी परिषद के सदस्य मुझे दरकिनार करने की कोशिश कर रहे

नई दिल्ली , एजेंसी। शुक्रवार को कार्यकारी परिषद के नौ सदस्यों ने यहां आईओए कार्यालय परिसर में एक हस्ताक्षरित नोटिस चिपकाया था जिसमें 'अनधिकृत व्यक्तियों' को संघ के मुख्यालय में प्रवेश नहीं करने के लिए कहा गया था। इस नोटिस को उषा ने 'मनमाना' बताया और यह उनके द्वारा नियुक्त दो अधिकारियों के लिए था।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने सोमवार को कहा कि बागी कार्यकारी परिषद के सदस्य अवज्ञा करके उन्हें दरकिनार करने की कोशिश कर रहे हैं जिसमें उनके द्वारा नियुक्त एक अधिकारी को सेवा बर्खास्तगी पत्र जारी करना भी शामिल है। शुक्रवार को कार्यकारी परिषद के नौ सदस्यों ने यहां आईओए कार्यालय परिसर में एक हस्ताक्षरित नोटिस चिपकाया था जिसमें 'अनधिकृत व्यक्तियों' को संघ के मुख्यालय में प्रवेश नहीं करने के लिए कहा गया था। इस नोटिस को उषा ने 'मनमाना' बताया और यह उनके द्वारा नियुक्त दो अधिकारियों के लिए था। कार्यकारी परिषद के अधिकतर सदस्यों ने इससे पहले दावा किया था कि उन्होंने जनवरी में आईओए सीईओ के रूप में रघुराम अय्यर की नियुक्ति को अमान्य घोषित करने वाले निलंबन आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। कार्यकारी परिषद के सदस्यों ने यह भी दावा किया कि उन्होंने अजय नारंग को आईओए अध्यक्ष के कार्यकारी सहायक के पद से 'बर्खास्त' कर दिया है। उषा ने कार्यकारी परिषद के सदस्यों द्वारा नारंग को दिया गया बर्खास्तगी पत्र मिलने की बात स्वीकार की लेकिन इसे 'पूर्णतया निरर्थक' कहकर खारिज कर दिया।

उषा ने कार्यकारी परिषद के बागी सदस्यों को भेजे अपने जवाब में कहा, यह देखकर निराशा होती है कि हम अब भी एक टीम के रूप में काम नहीं कर पा रहे हैं और आपकी हर हरकत मुझे दरकिनार करने की कोशिश है। मेरे पास आप सभी को यह याद दिलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है कि कर्मचारियों की नियुक्ति और बर्खास्तगी सहित दैनिक प्रशासनिक कार्य कार्यकारी परिषद का काम नहीं है। कार्यकारी परिषद के रूप में हमें अपनी शक्तियों और अधिकारों का उपयोग आईओए को ऊंचाइयों पर ले जाने के अधिक महत्वपूर्ण कार्य के लिए करना चाहिए।

पूर्व दिग्गज धाविका ने कहा, आईओए स्टाफ को निर्देश दिया जाता है कि वे आईओए भवन के भीतर लगाए गए नोटिस की किसी भी प्रति को हटा दें। इसके अलावा आईओए स्टाफ को मेरे कार्यकारी सहायक के माध्यम से मेरे कार्यालय से मार्गदर्शन और निर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया जाता है। जनवरी में सार्वजनिक रूप से सामने आई आईओए की आंतरिक कलह अब भी जारी है जबकि पेरिस ओलंपिक शुरू होने में सिर्फ तीन महीने बाकी हैं। उषा ने कहा कि सात जून 2023 को नियुक्त किए गए नारंग का पद पर बने रहना या बर्खास्तगी केवल उनकी सिफारिश पर आधारित होगी, ना कि किसी और की इच्छा पर।

उन्होंने कहा, बर्खास्ती दस्तावेज पूरी तरह से अमान्य हैं। अध्यक्ष के कार्यकारी सहायक की नियुक्ति कार्यकारी परिषद के अधिकार क्षेत्र में नहीं है और इसलिए बर्खास्तगी कानून के अनुसार नहीं है। मैं कैप्टन अजय कुमार नारंग (सेवानिवृत्त) द्वारा किए गए काम से संतुष्ट हूं और उनकी सेवाएं समाप्त करने का कोई कारण नहीं दिखता। उन्होंने कार्यकारी परिषद के सदस्यों से अनुरोध किया कि वे आईओए संविधान द्वारा दी गई शक्तियों और जिम्मेदारियों के इतर काम नहीं करें और उसके प्रावधानों का सीधा उल्लंघन न करें। उषा ने कहा, मैं एक बार फिर आपसे आग्रह करती हूं कि आप भारत में खिलाड़ियों और ओलंपिक अभियान की बेहतरी के लिए एक टीम के रूप में काम करना शुरू करें।

सिंधू और लक्ष्य के सामने कठिन चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। सिंधू दूसरे दौर में पहुंचीं तो उनके सामने छठी वरीय चीन की हान यू होंगी, जबकि लक्ष्य के सामने पहले ही दौर में शीर्ष वरीय चीन के शी यूकी होंगे। एचएस प्रणय का पहले दौर में चीन के लू गुआंग जू से मुकाबला होगा।

एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और इस वर्ष ऑल इंग्लैंड के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले लक्ष्य सेन के सामने कठिन चुनौती है। सिंधू दूसरे दौर में पहुंचीं तो उनके सामने छठी वरीय चीन की हान यू होंगी, जबकि लक्ष्य के सामने पहले ही दौर में शीर्ष वरीय चीन के शी यूकी होंगे। एचएस प्रणय का पहले दौर में चीन के लू गुआंग जू से मुकाबला होगा। पेरिस ओलंपिक के क्वालिफिकेशन का यह अंतिम टूर्नामेंट हैं। इसके बाद ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने वाले शीर्ष 16 शटलरों की रैंकिंग जारी होनी है। इस टूर्नामेंट से सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष डबल्स जोड़ी पहले ही नाम वापस ले चुकी है। बावजूद इसके टूर्नामेंट में एशिया के सभी शीर्ष शटलर शिरकत कर रहे हैं। इनमें शीर्ष वरीय कोरिया की एन से यंग, ओलंपिक विजेता चीन की चेन यू फेई, ताईवान की ताई जू यिंग, जापान की अकाने यामागुची के अलावा पुरुष वर्ग में शी यूकी, सिंगापुर के लोह कीन यू, इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी, जापान के केंता निशिमोतो, कोडाई नरोका जैसे शटलर शामिल हैं। सात्विक और चिराग की जोड़ी इस वर्ष शानदार फॉर्म में चल रही है और उनसे पुरुष डबल्स वर्ग में इस साल जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने की उम्मीद है।

राजनीति में आते ही मालामाल हुई कंगना

खरीदी नई मर्सिडीज मेबैश कार

हिमाचल प्रदेश के मंडी क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ने जा रही अभिनेत्री कंगना रनौत को जब से भाजपा ने अपना प्रत्याशी बनाया है, तब से ही वे लगातार विवादों में आ गई हैं। पिछले दो दिन से बीफ खाने को लेकर विवादों का सामना कर रही कंगना रनौत की सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें वे नई मर्सिडीज मेबैश कार में घूमती हुई नजर आ रही हैं।

गौरतलब है कि कंगना इन दिनों अपने लोकसभा क्षेत्र मंडी में चुनाव प्रचार-प्रसार में व्यस्त हैं। रविवार (7 अप्रैल) को उन्हें मुंबई में इस कार के साथ देखा गया। इस दौरान वह सैलून के बाहर नजर आईं। पैपराजी ने यह वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसमें कंगना लूज वाइट आउटफिट पहने थी और सैलून से बाहर निकलकर मर्सिडीज में जाकर बैठ जाती हैं। इस दौरान पैपराजी ने उन्हें कैप्चर किया जिसके कई वीडियो और फोटो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। कंगना अपने नो-मेकअप लुक और नई हेयरस्टाइल को फ्लॉन्ट करती नजर आईं। बताया जा रहा है कि कार की कीमत 2 करोड़ 43 लाख रुपए है। कई बड़े फिल्मी सितारों की तरह कंगना भी लग्जरी कारों की शौकीन हैं।

संजय दत्त ने चुनाव लड़ने की खबरों से किया इनकार

लोकसभा चुनावों के मद्देनजर एक्टर संजय दत्त को लेकर यह चर्चा होने लगी कि वह चुनाव लड़ सकते हैं। जिसके बाद एक्टर ने इस पर सफाई दी और बताया कि उनका चुनाव लड़ने का कोई इरादा नहीं है और ना ही वह राजनीति में प्रवेश करने जा रहे हैं। दरअसल कई मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया कि वह हरियाणा से लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के खिलाफ कांग्रेस की ओर से उम्मीदवार बन सकते हैं। एक्टर ने इन खबरों का खंडन किया और ट्वीट कर बताया कि इनमें कोई सच्चाई नहीं है।

राजनीत में नहीं आएंगे संजय दत्त

संजय दत्त ने सोमवार को एक्स अकाउंट पर लिखा, 'राजनीति में शामिल होने के बारे में सभी अफवाहों पर मैं विराम लगाना चाहूंगा। मैं किसी भी पार्टी को ज्वॉइन नहीं कर रहा हूं और ना ही चुनाव लड़ रहा हूं। अगर मैं राजनीति में जाने का फैसला करता हूं तो मैं खुद सबसे पहले इसकी घोषणा करूंगा। अभी तक मेरे बारे में जो खबरें चल रही हैं कृपया उस पर यकीन ना करें।'

परिवार के सदस्यों का राजनीति से नाता

संजय दत्त के परिवार के सदस्य राजनीति से जुड़े रहे हैं ऐसे में पहले भी उन्हें लेकर ऐसी चर्चाएं होती रही हैं कि वह राजनीति में आ सकते हैं। उनके पिता सुनील दत्त यूपीए सरकार में मंत्री थे। कांग्रेस पार्टी के टिकट पर उन्होंने मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा सीट से लगातार 5 बार जीत हासिल की। उनकी मृत्यु के बाद उनकी बेटी प्रिया दत्त ने पिता की विरासत को संभाला और वह उस सीट से जीतीं।

मृणाल ठाकुर ने कहा, फैंस के दिलों तक पहुंचने में समय लगा

एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी हालिया रिलीज द फैमिली स्टार के लिए प्रशंसा बटोर रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि वक्त तो लगा लेकिन आखिरकार मैंने दर्शकों के दिलों में जगह बना ली। मृणाल को दर्शकों से बेहद प्यार मिल रहा है। वह अपनी नवीनतम फिल्म द फैमिली स्टार को लेकर भगवान का आशीर्वाद पाने के लिए मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर पहुंची। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे इतना प्यार देने के लिए मैं सभी को धन्यवाद कहना चाहती हूं। मुझे दर्शकों के दिलों तक पहुंचने में काफी समय लगा लेकिन अब जब मैंने लोगों के दिलों में जगह बना ली है तो मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं।

मैं कड़ी मेहनत करती रहूंगी और ज्यादा से ज्यादा फिल्में लेकर आऊंगी। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि इस फिल्म को ऐसा रिस्पॉन्स मिलेगा। मैंने पहले कभी कोई रॉम-कॉम (रोमान्स कॉमेडी) नहीं किया है। यह मेरा पहला अनुभव है, और लोग इसे पसंद कर रहे हैं। मुझे कॉमेडी करने में बहुत मजा आया। मेरी पिछली सभी भूमिकाएं गंभीर थीं

। इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए वाकई हवा के झोंके जैसा था। जल्द ही फिल्म हिंदी में भी रिलीज होगी और हिंदी दर्शक भी इसका लुत्फ उठा सकेंगे। द फैमिली स्टार एक तेलुगु भाषा की रोमांटिक पारिवारिक ड्रामा फिल्म है, जो परशुराम द्वारा लिखित और निर्देशित है और यह श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के तहत दिल राजू और सिरीश द्वारा निर्मित है। फिल्म में विजय देवरकोंडा और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिका में हैं और यह 5 अप्रैल, 2024 को रिलीज हुई थी।

संक्षिप्त समाचार

जब आधी रात को जीबी रोड के कोठे में उठीं आग की लपटें, पूरे इलाके में मचा हड़कंप

नईदिल्ली , एजेंसी। दिल्ली के जीबी रोड इलाके में सोमवार देर रात एक ब्रोथल (कोठे) में आग लग गई। गनीमत रही कि घटना में किसी को कोई चोट नहीं आई है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि उन्हें सोमवार रात को घटना की जानकारी मिली। जिसके बाद आग बुझाने के लिए दमकल की 14 गाड़ियां भेजी गईं। पुलिस ने बताया कि कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। वहीं आग लगने के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। इससे पहले दिल्ली के सदर बाजार इलाके में आग लगी थी। दो अप्रैल को तीन मंजिला इमारत की पहली मंजिल पर आग लग गई थी। हादसे में दम घुटने से दो बहनों की मौत हो गई, जिनकी पहचान 12 वर्षीय इनाया और आठ वर्षीय आशना के तौर पर हुई थी। हादसे के वक्त बच्चियां मकान के आखिरी कमरे में सो रही थीं। बचने के लिए दोनों बच्चियों ने खुद को बाथरूम में बंद कर लिया था। लेकिन धुएं में दम घुटकर उनकी मौत हो गई थी। पहली मंजिल पर स्थित रिक्रिएशनल रूम से आग लगी थी।

नाबालिग मॉडल से चलती कार में किया गैंगरेप, फिर होटल में छोड़ भागे; बेहोशी की हालत में की दरिंदगी

नईदिल्ली , एजेंसी। गाजियाबाद के तीन युवकों ने उत्तर प्रदेश के संभल जिले के चंदौसी निवासी नाबालिग मॉडल को लिफ्ट देकर चलती कार में गैंगरेप किया। पीड़िता का आरोप है कि रास्ते में कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर बेहोश करने के बाद वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद आरोपी पीड़िता को मुरादाबाद रेलवे स्टेशन के सामने स्थित होटल में छोड़कर भाग गए। कोतवाली पुलिस ने शिकायत पर तीन नामजद के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपियों पर पॉक्सो और एससी/एसटी एक्ट भी लगाया गया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। संभल जिले के चंदौसी थाना क्षेत्र के गांव निवासी 17 साल की किशोरी 11वीं पास है। किशोरी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह मॉडलिंग करती है। 5 अप्रैल को जयपुर में आयोजित मॉडलिंग इवेंट में वह शामिल होने गई थी। 6 अप्रैल को घर लौटने के लिए बस से धौलकुआं पहुंची। वह मेट्रो स्टेशन के बाहर मुरादाबाद जाने के लिए बस का इंतजार कर रही थी कि तभी गाजियाबाद के लालकुआं निवासी भरत सिंह साथी गाजियाबाद के सिहानी गेट थाना के लाल क्वार्टर निवासी अनिल और पुराना बस अड्डा मालीवाड़ा निवासी सोनू कार लेकर वहां आ गया। पीड़िता के अनुसार, वह भरत को जानती थी, क्योंकि उसने पहले भी पीड़िता का फोटोशूट कराया था। पीड़िता के अनुसार, आरोपियों के कहने पर वह कार में बैठ गई। वहां से निकलने के बाद आरोपियों ने एक होटल से खाना और कोल्ड ड्रिंक लिया। कार में ही पीड़िता ने कोल्ड ड्रिंक पी। इसके बाद उसे नशा होने लगा। उस समय आरोपी सोनू कार चला रहा था। पीड़िता के अनुसार, आरोपी भरत और अनिल ने चलती कार में उसके साथ बारी-बारी से गैंगरेप किया। जब पीड़िता को कुछ होश आया तो सड़क किनारे एक पेट्रोल पंप पर कार रुकवा कर बहाने से वॉशरूम में गई और वहां से 112 पर कॉल कर दिया। बाद में कार में आकर वापस बैठ गई। पीड़िता का आरोप है कि बाद में तीनों आरोपी उसे लेकर मुरादाबाद रेलवे स्टेशन के पास स्थित होटल में ले गए। वहां आरोपियों ने पहले से ही कमरा बुक कर रखा था। होटल में पीड़िता को छोड़कर तीनों आरोपी भाग निकले। इसके कुछ देर बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। बाद में पीड़िता ने अपने माता-पिता को भी बुला लिया। पीड़िता ने अपने माता-पिता के साथ कोतवाली थाने पहुंचकर तहरीर दी। इसके आधार पर कोतवाली पुलिस ने तीनों नामजद आरोपियों के खिलाफ गैंगरेप, पॉक्सो एक्ट और एससी/एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

दूटे डेस्क और क्षमता से ज्यादा बच्चे... उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सरकारी स्कूलों की जांच रिपोर्ट

नईदिल्ली , एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर उत्तर-पूर्वी दिल्ली के निगम और राज्य सरकार के स्कूलों का निरीक्षण किया गया। इन स्कूलों की निरीक्षण रिपोर्ट सोमवार को हाईकोर्ट के समक्ष पेश की गई। रिपोर्ट में निगम के 6 लाख और दिल्ली सरकार के 10 लाख छात्रों की बदहाल स्थिति में पढ़ने के लिए मजबूर होने का ब्योरा देख अदालत भी चौंक गई।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की बेंच ने वरिष्ठ वकील अशोक अग्रवाल की ओर से पेश रिपोर्ट को देखकर कहा कि उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सरकारी स्कूलों के हालात बेहद भयावह हैं।

बदहाल पड़े स्कूलों की रिपोर्ट के अनुसार, स्कूलों की इमारतें जर्जर हो चुकी हैं। डेस्क टूटे पड़े हैं। कक्षाओं में क्षमता से ज्यादा बच्चे बैठते हैं। कई स्थान पर खतरनाक घोषित कर दी गई इमारतों में स्कूल चल रहे हैं। हाईकोर्ट ने रिपोर्ट को देखकर निगम और दिल्ली सरकार को कड़ी फटकार लगाई।

बेंच के सामने अधिकारी ने रिपोर्ट पर सहमति जताई। बेंच ने इस पर कहा कि जो भी अधिकारी इस स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं, उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए। बेंच ने इस पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि रिपोर्ट स्पष्टतौर पर बता रही है कि शिक्षा निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारी स्कूलों की तरफ ध्यान नहीं दे रहे हैं। इस मामले में 23 अप्रैल को अगली सुनवाई होगी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के नगर निगम के स्कूलों में पढ़ रहे छह लाख बच्चों को अभी तक कॉपी-किताब और अन्य सामग्री नहीं मिली है। बैठने के डेस्क खस्ता हाल हैं।

भजनपुरा स्थित गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल सात वर्ष से टिनशेड में चल रहा है। यहां दोनों शिफ्ट में 3600 बच्चे पढ़ रहे हैं। सभी डेस्क टूटे हैं। यमुना विहार के ब्लॉक सी 1 में स्थित सर्वोदय कन्या विद्यालय भी दो शिफ्ट में चलता है। सुबह की शिफ्ट में पांच से छह हजार छात्राएं पढ़ती हैं। यहां एक सेक्शन में 70-80 छात्र हैं। इसी परिसर में एक पुरानी इमारत है। जिसका नवीनीकरण चल रहा है। चौंकानें वाली बात यह है कि अधूरी इमारत स्कूल को सौंप दी गई है। गोकुलपुर स्थित गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में हालात यह हैं कि साइंस लैब, आर्ट लैब लाइब्रेरी में भी कक्षाएं चल रही हैं। एक कक्षा में डेढ़ सौ छात्र बैठते हैं। स्कूल की इमारत को खतरनाक घोषित किया जा चुका है।

बदरपुर गांव स्थित सर्वोदय कन्या विद्यालय में दो शिफ्ट में 3600 छात्र पढ़ रहे हैं। हर साल बरसात के मौसम में बाढ़ की समस्या से छात्र जूझते हैं। इस गांव के चारों तरफ बांध नहीं है। हाल ही में आई बाढ़ के दौरान स्कूल में छह फीट तक पानी भर गया था। बेंच ने कहा कि किसी भी वरिष्ठ पदाधिकारी के बच्चे इन स्कूलों में नहीं पढ़ रहे। यही समस्या है। हमारी अगली पीढ़ी का क्या होने वाला है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि जेलें भरी हुई हैं। यह मुद्दा इसलिए उजागर हुआ क्योंकि यह हाईकोर्ट में आया। बेंच ने शिक्षा सचिव को कहा कि आपको वहां जाना चाहिए। वरिष्ठ लोग निगरानी नहीं कर रहे। बेंच ने शिक्षा सचिव को इस बाबत विस्तृत हलफनामा दाखिल करने को कहा है। शिक्षा सचिव ने कहा कि जल्द ही इन कमियों को पूरा कर लिया जाएगा। हाईकोर्ट ने 20 मार्च 2024 को शिक्षा विभाग के सचिव और याचिकाकर्ता वरिष्ठ वकील अशोक अग्रवाल को उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सरकारी स्कूलों का निरीक्षण कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए थे।

ट्विन टावर की तरह नहीं गिराई जाएगी चिंटल्स सोसाइटी

नईदिल्ली , एजेंसी। गुरुग्राम के जिला प्रशासन ने सेक्टर-109 स्थित चिंटल पैराडाइसो के पांच टावर को गिराने की मंजूरी चिंटल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को दे दी है। बिल्डर ने डी, ई, एफ, जी और एच टावर को गिराने की अनुमति मांगी थी क्योंकि आईआईटी दिल्ली ने स्ट्रक्चरल ऑडिट रिपोर्ट में इन्हें असुरक्षित बताया था। इसके बाद इन्हें गिराने को लेकर प्रक्रिया शुरू की गई। बिल्डर ने डिमॉलिशन के लिए एडिफाइस इंजीनियरिंग कंपनी को चुना जिसने अगस्त 2022 में नोएडा के ट्विन टावर को गिराया था।

माना जा रहा था कि ट्विन टावर की तरह चिंटल के टावर्स को भी विस्फोटक लगाकर ध्वस्त किया जाएगा। मगर इसके कंपनी पैराडाइसो के अनसेफ टावर को क्रशर मशीन के जरिए एक-एक फ्लोर करके तोड़ेगी। एडिफिस ने पहले ही इन टावरों के फिटआउट (दरवाजे, खिड़कियां, प्लंबिंग और बिजली के सामान) को हटाना शुरू कर दिया है। कंपनी ने बिल्डर को एक डिमॉलिशन प्लान और टाइम फ्रेम सौंपा है। डिप्टी कमिश्नर (डीसी) निशांत यादव ने संबंधित विभागों- एमसीजी, हरियाणा पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड, पुलिस, पीडब्ल्यूडी, आपदा प्रबंधन, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, फायर और लेबर डिपार्टमेंट से सुझाव लेने के बाद इजाजत दे दी है।

डीसी के परमिशन देने वाले लेटर के अनुसार, डिमॉलिशन साइट से मलबे का निपटान एमसीजी स्थल पर किया जाएगा और धूल प्रदूषण को कम करने, निवासियों और आसपास के स्ट्रक्चर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए जाएंगे। पुलिस और दमकल विभाग स्थिति पर नजर रखेंगे। पत्र में आगे लिखा है कि किसी भी तरह की लापरवाही, दुर्घटना या दुर्घटना की स्थिति में बिल्डर मैनेजमेंट को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। बिल्डर मैनेजमेंट हर 15 दिन में तोड़फोड़ के संबंध में जिला नगर योजनाकार कार्यालय और एडीसी को प्रोगेस रिपोर्ट भेजेगा।

डिमॉलिशन योजना के पहले चरण में, जो वर्तमान में चल रहा है, कॉन्ट्रैक्टर फिटआउट्स को हटा रहा है।

दिल्ली में तेज हुई चुनाव की तैयारियां, लिस्ट बना रहा ईसी

नईदिल्ली , एजेंसी। लोकसभा चुनाव को लेकर राजधानी में बूथों की सूची तैयार की जा रही है। राजधानी के उत्तर पश्चिमी और शाहदरा जिले में सबसे ज्यादा गंभीर श्रेणी के बूथ होंगे, जबकि नई दिल्ली में इस तरह के बूथ की संख्या सबसे कम है। शाहदरा और उत्तर पश्चिम दोनों जिलों में 146-146 गंभीर श्रेणी के बूथों की सूची बनाई है, जबकि दक्षिण-पूर्वी जिले में 53 गंभीर पोलिंग बूथ हैं। वहीं बाहरी उत्तर जिले में लगभग 38 गंभीर बूथ होने का अनुमान है। इसके अलावा पूर्वोत्तर जिले में करीब 255 पोलिंग स्टेशन हैं, इनमें से 55 गंभीर श्रेणी में हैं। यह जानकारी विभिन्न जिलों से इकट्ठा किए गए आंकड़ों से मिली है।

इसके अलावा द्वारका जिले में 250 परिसरों में लगभग 1,200 पोलिंग बूथ स्थापित होंगे। इनमें करीब 50 से अधिक को गंभीर के रूप में चिह्नित किया है। हालांकि, यह फाइनल आंकड़े नहीं हैं। अब क की रिपोर्ट के आधार पर इन्हें अस्थाई तौर पर गंभीर श्रेणी में बताया गया है, इस पर अंतिम निर्णय संबंधित जिले के रिटर्निंग अधिकारी लेंगे। दिल्ली में 25 मई को चुनाव है। यहां लोकसभा की सात सीटों पर

चुनाव होना है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदाताओं की सुविधा के लिए बूथों पर मतदान के दिन वेबकास्टिंग कराए जाने के निर्देश दिए हैं। दिल्ली समेत देश की सभी लोकसभा सीटों पर चुनाव को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इसलिए पुलिस सुरक्षा के मद्देनजर व्यवस्था बनाने में जुटी है। सामान्य तैनाती के अलावा हर एक महत्वपूर्ण परिसर में हवलदार और केंद्रीय अर्ध-सैन्य बलों की अतिरिक्त तैनाती करने का निर्णय लिया है। वहीं हर जिले में शराब, ड्रग्स और हथियार माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी गई है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि विभिन्न पोलिंग बूथ सूची चुनाव आयोग को भेज दी गई है। पूरी दिल्ली में करीब ढाई हजार से ज्यादा जगहों पर करीब 13 हजार पोलिंग बूथ बनाए जा सकते हैं।

कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान को झटका, भारत को मिला सऊदी का साथ; क्राउन प्रिंस ने पीएम शहबाज को दी नसीहत

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान में हाल के आम चुनाव में जीतकर फिर से प्रधानमंत्री बनने के बाद शहबाज शरीफ अपनी पहली विदेश यात्रा पर इन दिनों सऊदी अरब में हैं। रियाद में रविवार को शहबाज और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की मुलाकात के एक दिन बाद सोमवार को जारी संयुक्त बयान में पाकिस्तान और भारत के बीच लंबित मामलों को सुलझाने के लिए वार्ता के महत्व पर जोर दिया गया है।

सऊदी ने पाकिस्तान को नसीहत देते हुए कहा,खासकर जम्मू-कश्मीर के मामले को सुलझाकर क्षेत्र में तनाव को कम किया जा सकता है। संयुक्त बयान के अनुसार, शहबाज और सऊदी क्राउन प्रिंस के बीच चर्चा दोनों देशों के बीच भाईचारे के संबंधों को मजबूत करने और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के रास्ते तलाशने पर केंद्रित थी। जिसका बयान में उल्लेख किया गया था। इसमें कहा गया है कि दोनों पक्षों ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनरिश्चित करने के लिए बातचीत के महत्व पर जोर दिया। वहीं, भारत लंबे समय से कहता रहा है कि कश्मीर द्विपक्षीय मुद्दा है। इसमें भारत और पाकिस्तान के बीच किसी तीसरे देश के हस्तक्षेप का सवाल ही नहीं उठता। उल्लेखनीय है कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव उस समय और बढ़ गया जब भारत ने 2019 में जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करते हुए संविधान से अनुच्छेद-370 को हटा दिया।

डॉक्टर है या हैवान ! चेकअप के बहाने महिलाओं और पुरुषों का यौन शोषण

कोर्ट पहुंचे 200 से ज्यादा पीड़ित

बोस्टन एजेंसी। डॉक्टर को भगवान का दर्जा दिया जाता है, क्योंकि भगवान की तरह ही वह मरीज को नया जीवन देता है। डॉक्टर के पास जाकर हम बिना झिझक के उनसे अपने बीमारी को लेकर चर्चा करते हैं। गुप्त से गुप्त रोग खुलकर उनको बताया जाता है। क्योंकि डॉक्टर के पास जाते ही हमें विश्वास होता है कि हम बचा लिए जाएंगे। लेकिन, क्या हो जब एक डॉक्टर ही आपके लिए भगवान की जगह हैवान बन जाए। ऐसे ही एक हैवान डॉक्टर का मामला अमेरिका के बोस्टन से सामने आया है। जहां एक डॉक्टर ने 200 से अधिक महिलाओं और पुरुषों का इलाज के नाम पर यौन शोषण किया। डॉ. डेरिक टॉड के पास कई महिला और पुरुष इलाज के लिए जाते थे। डॉक्टर टॉड एक रुमेटोलॉजिस्ट (जिनकी विशेषज्ञता में मांसपेशियों, जोड़ों और हड्डियों की सूजन की स्थिति का इलाज करना शामिल है) हैं।

महिला ने बताई अपनी आपबीती

37 वर्षीय न्यू हैम्पशायर की एक महिला ने डॉक्टर टॉड के बारे में अपना अनुभव बताते

हुए कहती हैं कि पिछले साल ही जब अस्पताल ने टॉड के बारे में संपर्क किया, तो उन्हें एहसास हुआ कि डॉक्टर ने उनके साथ भी गलत किया है और डॉक्टर ने उनके साथ भी लिमिट क्रॉस की थी। उन्होंने कहा, जब में अपने रीड के हड्डियों का इलाज कराने डॉक्टर टॉड के पास गई थी तब जैसे-जैसे टॉड आगे बढ़ा उसने आक्रामक तरीके से मेरे ब्रेस्ट को छुआ था। उन्होंने कहा, जब डॉक्टर ने ऐसा किया तब ऐसा लग रहा था कि उसे कुछ ज्यादा ही आनंद आ रहा है। डॉक्टर टॉड ने 200 से अधिक महिलाओं और कई पुरुषों के साथ यौन शोषण किया। सभी पीड़ितों ने डॉक्टर टॉड को लेकर मैसाचुसेट्स के सफ़ोल्क सुपीरियर कोर्ट में एक संयुक्त मुकदमा दायर किया है। यह मुकदमा पिछले साल दायर किया गया था। इस मुकदमे में टॉड पर मरीजों पर अनावश्यक पेल्विक फ्लोर थेरेपी स्तन परीक्षण वृषण परीक्षण और मलाशय परीक्षण करने का आरोप लगाया गया है। ब्रिघम और महिला अस्पताल के पूर्व रुमेटोलॉजिस्ट ने साल 2010 में मरीजों के साथ दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया था। वहीं, अप्रैल 2023 में ब्रिघम और विमेंस को टॉड के बारे में दो गुमनाम शिकायतें मिलीं और उन्होंने एक आंतरिक जांच शुरू की। टॉड को तब बताया गया कि वह बिना संरक्षक के किसी भी मरीज पर संवेदनशील परीक्षाएं नहीं कर सकता।

पाकिस्तान की सत्र अदालत का दुर्लभ फैसला, एक व्यक्ति को 80 कोड़े मारने की सजा सुनाई

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के कराची में एक सेशन कोर्ट ने एक दुर्लभ सजा सुनाते हुए एक व्यक्ति को 80 कोड़े मारने का आदेश दिया है। अदालत ने उस व्यक्ति को अपनी पत्नी पर व्यभिचार का झूठा आरोप लगाकर अपनी बेटी को अपनाने से इनकार करने का दोषी पाया था। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश मालिर शेहनाज बोह्यो ने आरोपी फरीद कादिर को कम से कम 80 कोड़े मारने की सजा सुनाई। आदेश में कहा गया है, जो कोई भी कज़्फ़ के लिए उत्तरदायी होगा, उसे 80 कोड़े मारने की सजा दी जाएगी। अदालत ने यह भी फैसला सुनाया कि दोषसिद्धि के बाद फरीद कादिर द्वारा प्रदान किए गए साक्ष्य किसी भी अदालत में स्वीकार्य नहीं होंगे। मामले के विवरण के अनुसार, फरीद कादिर (दोषी) की पूर्व पत्नी ने अदालत में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया था कि उसकी शादी फरवरी 2015 में हुई थी और वह कम से कम एक महीने तक फरीद के साथ रही थी। दिसंबर 2015 में फरीद की पत्नी ने एक बच्ची को जन्म दिया।

फिर बढ़ी पाकिस्तान की मुसीबत, विश्व बैंक ने लाद दीं कई शर्तें

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में चौंका देने वाले आर्थिक संकट से उबरने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के साथ जारी बेलआउट वार्ता के बीच, विश्व बैंक ने भी नई शर्तें लादी हैं। विश्व बैंक ने क्षेत्र-आधारित छूट, मालिक-कब्जेदार छूट व अनिवासी छूट जैसी सब्सिडी घटाने समेत संघीय व प्रांतीय खर्चों की एकीकृत राष्ट्रीय राजकोषीय नीति अपनाने का दबाव भी डाला है। इन्हें पूरा करने पर पाकिस्तान में महंगाई चरम पर होगी।

विश्व बैंक ने इस्लामाबाद को सांविधानिक आदेशों के साथ एक राष्ट्रीय राजकोषीय नीति अपनाने को कहा है। उसने विभिन्न संघीय-प्रांतीय राजस्व एजेंसियों को जीएसटी संग्रह एजेंसी में विलय करने, अगले वित्तीय बजट में कृषि, पूंजीगत लाभ तथा रियल एस्टेट पर प्रभावी ढंग से कर लगाने की शर्तें भी लादी हैं। डॉन न्यूज के मुताबिक, इनके लिए पाकिस्तान को कड़े वित्तीय फैसले लेने होंगे। विश्व बैंक ने पाकिस्तान सरकार को यह भी कहा कि वह संघीय और प्रांतीय स्तरों पर नए राजकोषीय उत्तरदायित्व और ऋण सीमा अधिनियम को लागू करे। इन सुझावों के आईएमएफ कार्यक्रम का हिस्सा बनने की उम्मीद है, जिस पर पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब अगले सप्ताह वाशिंगटन में विश्व बैंक-आईएमएफ की बैठकों में ऋणदाता के साथ चर्चा करेंगे। बैंक ने फेडरेशन और उसकी संघीय इकाइयों में जीएसटी सामंजस्य पर ठोस प्रगति की मांग रखी है।

जीएसटी संग्रह समेकित करेंब्र विश्व बैंक ने प्रशासनिक जटिलता को कम करने के लिए सभी जीएसटी संग्रह जिम्मेदारियों को एक ही निकाय (एजेंसी) के साथ समेकित करने का सुझाव दिया, जो सांविधानिक प्रावधानों के अनुसार राजस्व दे सकती है। वर्तमान में, जीएसटी ज्यादातर वस्तुओं और कुछ सेवाओं पर संघीय राजस्व बोर्ड द्वारा एकत्र किया जाता है, जबकि कुछ सेवाओं पर जीएसटी एकत्र करने के लिए समान राजस्व बोर्ड प्रांतों में काम कर रहे हैं।

भारी पड़ेगी सब्सिडी घटाने की भी शर्तः जहां तक शहरी अचल संपत्ति कर का सवाल है, विश्व बैंक ने मुद्रास्फीति, बीमा मूल्यांकन और बिक्री रिकॉर्ड के आधार पर मूल्यांकन तालिकाओं के आवेदन की मांग की है। साथ ही, कब्जाधारी और किराये की दरों को बराबर करने की भी शर्त रखी है। विश्व बैंक चाहता है कि अधिकारी क्षेत्र-आधारित छूट, मालिक-कब्जेदार छूट व अनिवासी छूट जैसी सब्सिडी घटाएं तथा संघीय आयकर व शहरी अचल संपत्ति कर को एकीकृत करें। यह शर्त आम लोगों पर काफी भारी पड़ेगी।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।